7.1.8 Newspaper Clips

पुलिस निरीक्षक प्रकाश पवार की टीम द्वारा की गई.

फीट, जो 9 फीट है वह 12 फीट करने की बात कही गई.

सावित्रीबाई विवि के छात्रों को प्रथम स्थान

राष्ट्रीय महिला अंतर-विश्वविद्यालय टेनिस टूर्नामेंट

■ कल्याण, (सं). मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई और बीके बिड़ला कॉलेज, कल्याण द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय महिला अंतर-विश्वविद्यालय टेनिस टूर्नामेंट ओलंपिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पलावा-डोंबिवली में आयोजित किया गया. 5 राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की विशेष भागीदारी रही. इस प्रतियोगिता के उद्घाटन पर कल्याण डोंबिवली मनपा की आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं. मुख्य अतिथि का बिड़ला कॉलेज के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेशचंद्र द्वारा विशेष स्वागत एवं सम्मान किया गया.

एल. एन ग्वालियर की छात्राओं ने मारी बाजी

इस अवसर पर मुंबई विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. मोहन अमरुले, नाइट कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, खेल निदेशक अनिल तिवारी, वाई. डी. बागराव एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे. तीन दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में पुणे की सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी के छात्रों ने रोचक मुकाबले के बाद पहला स्थान हासिल किया. दूसरी रैंक मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई और तीसरी रैंक एल. एन. ग्वालियर की छात्राओं ने बाजी मारी. इस प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह मुख्य अतिथि बिरला कॉलेज प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सुबोध दवे, डा. नरेश चंद्रा और डॉ. मोहन अमरूले की उपस्थिति में हुआ. इस कार्यक्रम का आयोजन तुषार लोंढे, जितेन्द्र शैनी, प्रो. गणेश कुमावत, डा. अभिजीत रावल, डॉ. दिनेश वनुले, डॉ. नारायण तोतेवाड, रेवती हंसवाडकर, निश्मिता राणा, जयवंत माने, आकांक्षा ठाकुर, सरोज अयंगर और अक्षय, वैभव आदि ने संभव बनाया.

9 राज्य, 18 संस्करण मुंबई, पुणे, रांची, लखनऊ, कोलकाता, जयपुर, ग्वालियर, नई दिल्ली, इंदौर, भोपाल, सागर, उज्जैन, जबलपुर, रतलाम, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जालंधर, से एक साथ प्रकाशित | मूल्य ₹ 5.00 | वर्ष-9, अंक 44, पृष्ठ- 10 महानगर संस्करण | D-live NewsTV www.dabangdunia.co

दैनिक दबंग दुनिया

मुंबई, शुक्रवार, 3 सितंबर 2021

निष्पक्ष नज़र, निष्पक्ष ख़बर

देश का सबसे चर्चित संपूर्ण हिन्दी अख़बार

सुविचार

सफलता पानी है तो सबसे पहले खुद पर विश्वास करना सीखना होगा।

अंदर पढ़ें

पेज 08

बिडला कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दबंग रिपोर्टर, कल्याण। राष्ट्रीय खेल दिवस पर कल्याण के बी. के.बिड़ला महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बिड़ला महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में भारत सहित दूसरे देशों के 48 खेल-प्रेमियों ने हिस्सा लिया और खेल से सम्बंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 350 से अधिक लोगों ने भाग लिया। बतादें कि बिड़ला महाविद्यालय इस वर्ष अपनी स्थापना दिवस को स्वर्ण जयन्ती वर्ष के रूप में मना रहा है। बताया जाता है कि इसी साल महाविद्यालय के संस्थापक बसंत कुमार बिड़लाजी का जन्मशताब्दी वर्ष भी है। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.बलजीत सिंह सेखोन और सुबोध तिवारी मौजूद थे। संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ.नरेशचन्द्र ने कहा कि आज खेल को भी पाठ्यक्रम का प्रमुख अंग बनाने की आवश्यकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी के आयोजक एवं नाइट कॉलेज के प्राचार्य डॉ.हरीश दुबे ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिवादन किया। संगोष्ठी में देश-विदेश से चर्चा के लिए उपस्थित अतिथियों ने खेल को बढ़ावा देते हुए इसे पाठ्यक्रम में शामिल करने पर बल दिया।

लोकमत

आरोग्य शिबिराला प्रतिसाद

लोकमत न्यूज नेटवर्क

कल्याण : बिर्ला महाविद्यालय आणि खासगी रूग्णालयाच्या वतीने मोफत आरोग्य तपासणी शिबिर झाले. रक्तदाब, कॅल्शियम तपासणी, मधुमेह, ई.जी.सी. व डोळे आदी तपासण्या केल्या. दोनशे नागरिकांची यावेळी तपासणी केली.

उद्घाटन महाविद्यालयाचे शिक्षण संचालक डॉ. नरेश चंद्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील आणि डॉक्टर मीनू, विशाल आणि माधवी वरिक यांच्या उपस्थितीत झाले. उपप्राचार्य डॉ. मणिंदर धालीवाल, प्रा. रघुनाथ पाटील, शुभांगी चिटणीस यांनी सहकार्य केले.

Hello Thane
Page No. 4 Feb 12, 2024
Powered by: erelego.com

दैनिक
यशोभूमि

बिड़ला महाविद्यालय में वार्षिक खेल पांच दिवसीय ऊर्जा उत्सव संपन्न

कल्याण। प्रतिनिधि

कल्याण पश्चिम स्थित बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के शारीरिक शिक्षण एवं खेल विभाग द्वारा वार्षिक खेल 'पांच दिवसीय ऊर्जा उत्सव' का आयोजन किया गया। केंद्र सरकार की खेलो इंडिया मुहिम को बढ़ावा देने और छात्रों को खेल के प्रति आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित इस ऊर्जा उत्सव में लगभग ढाई हजार छात्रों की सहभागिता रही। जिनमें चार सौ छात्रों को पुरष्कृत किया गया। इस आयोजन में कबड्डी, हॉकी, फुटबाल, रग्बी जैसी सामूहिक खेलों के साथ-साथ दौड़, गोलाफेंक और चेस जैसे कुल चौदह खेल शामिल थे। इस पाँच दिवसीय उत्सव का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र ने युवा पीढ़ी के सम्पूर्ण विकास के लिए खेल को पाठ्यक्रम का एक महत्त्वपूर्ण अंग बनाने की बात कही।

प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने देश के विकास के लिए युवाओं के स्वस्थ होने की आवश्यकता पर जोर दिया जिसमें खेलों की विशेष भूमिका हो सकती है।

रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे द्वारा भी खेल को बढावा देने की बात कही गई। इस उत्सव के आयोजक प्रा. अनिल तिवारी ने सभी अतिथियों और सभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ये लोग थे उपस्थित

बड़ी संख्या में छात्रों की इस सहभागिता और उत्सव के आयोजन में वाई. डी. बागराव, डॉ. दत्ता क्षीरसागर, रेवती हंसवाडकर, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड़, सूरज अग्रवाल, डॉ. निष्मिता राणा, डॉ. अभिजीत रावल, प्रा. अर्नाल्ड जैथन्ना, वैभव पवार सहित शुभम एवं अक्षय आदि की विशेष भूमिका रही।

13 Feb 2024 - Page 2

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, रायगढ, पालघर का
आपका अपना अखबार....
हमारी रफ्तार
संपादक - शेख तनवीर अहमद मोहसुन
अंक 220 दैनिक, अंबरनाथ, मंगलवार दि. 13/02/2024 पृष्ठ 4 मूल्य 2 रुपये RNI NO. MAHHIN/2014/56388 Post Reg. NO.THC/

बिड़ला महाविद्यालय में वार्षिक खेल - ऊर्जा उत्सव संपन्न

संवाददाता. कल्याणः– कल्याण पश्चिम स्थित बी. के. बिडला महाविद्यालय, कल्याण के शारीरिक शिक्षण एवं खेल विभाग द्वारा वार्षिक खेल दृ 'पाँच दिवसीय ऊर्जा उत्सव' का आयोजन किया गया। कॅंद्र सरकार की खेलो इंडिया मुहिम को बढ़ावा देने और छात्रों को खेल के प्रति आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित इस ऊर्जा उत्सव में लगभग ढाई हजार छात्रों की सहभागिता रही। जिनमें चार सौ छात्रों को पुरष्कृत किया गया। इस आयोजन में कबड्डी, हॉकी, फुटबाल, रग्बी जैसी सामूहिक खेलों के साथ–साथ दौड़, गोलाफेंक और चेस जैसे कुल चौदह खेल शामिल थे। इस पाँच दिवसीय उत्सव का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र ने युवा पीढी के सम्पूर्ण विकास के लिए खेल को पाठ्यक्रम का एक महत्त्वपूर्ण अंग बनाने की बात कही। प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने देश के विकास के

लिए युवाओं के स्वस्थ होने की आवश्यकता पर जोर दिया जिसमें खेलों की विशेष भूमिका हो सकती है। रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे द्वारा भी खेल को बढावा देने की बात कही गई। इस उत्सव के आयोजक प्रा. अनिल तिवारी ने सभी अतिथियों और सभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया । बड़ी संख्या में छात्रों की इस सहभागिता और उत्सव के आयोजन में वाई. डी. बागराव, डॉ. दत्ता क्षीरसागर, रेवती हंसवाडकर, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड़, सूरज अग्रवाल, डॉ. निष्मिता राणा, डॉ. अभिजीत रावल, प्रा. अर्नाल्ड जैथन्ना, वैभव पवार सहित शुभम एवं अक्षय आदि की विशेष भूमिका रही।

नुक्कड़ नाटक के जरिए मनाई 150 वीं जयन्ती

शान्ति रथ यात्रा ने दिया है अहिंसा का पावन संदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कल्याण. गांधी अध्ययन केंद्र ने महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर शान्ति रथ यात्रा का आयोजन किया। सुभाष मैदान से प्रारंभ इस यात्रा में दर्ज़नों शैक्षणिक संस्थाओं नें भाग लिया।

कई किलोमीटर की इस शान्ति यात्रा में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए सत्य और अहिंसा का सन्देश दिया। शान्ति रथ यात्रा में स्वच्छता और बापू के सिद्धांतों वाले पोस्टर, बैनर लिए विद्यार्थियों के आगे-आगे ट्राफिक पुलिस के जवान, उसके पीछे बिड़ला साईकल क्लब के सदस्य और बांसुरी पर बापू के भजनों की प्रस्तुति करते कलाकारों से सजी लोगों की लम्बी पंक्तियां पूरे क्षेत्र को गांधीमय बना रही थीं। यात्रा का समापन बिड़ला महाविद्यालय के प्रांगण में सत्य और स्वच्छता को अपने जीवन का अंग बनाने की प्रतिज्ञा के साथ हुआ। इस अवसर पर केडीएमसी के आयुक्त गोविन्द बोडके, ओ.आर.चितलांगे, सुबोध दवे, संतोष चितलांगे, डॉ. नरेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटिल, प्राचार्या डॉ.स्वप्ना समेल, डॉ.अर्चना सिंह और डॉ. हरीश दुबे समेत बिपिन वाडेकर, डॉ. मनप्रीत कौर, अनिल तिवारी, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. नारायण टोटेवाड, नितिन बर्वे, डॉ. विजय जाधव, डॉ. वृंदा निशानदार, डॉ. सन्देश जायभाए, सुषमा फडके, गणेश कुमावत, आरती मोरे, कपिल, आकांक्षा आदि मौजूद थे।

जागरूक टाइम्स
मुंबई, सिरोही, जयपुर से प्रकाशित
www.jagruktimes.co.in
वर्ष-19 ► अंक-68 मुंबई, सोमवार 3 अक्टूबर 2022 ► मुंबई ► पृष्ठ 12 ► मूल्य ₹4

कल्याण : बिड़ला महाविद्यालय ने निकाली शांति यात्रा

कल्याण। बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित गांधी अध्ययन केंद्र द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्मतिथि-अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर शान्ति यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का प्रारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील, वरिष्ठ पत्रकार अन्ना बेतावटकर, डॉ. हरीश दुबे और उप प्राचार्य विपिन चन्द्र वाडेकर एवं उप प्राचार्य आईजेक जेरी द्वारा बापू की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने युवा पीढ़ी को बापू के सिद्धांतों को जीवन में अंगीकृत करने की प्रेरणा दी। गांधी अध्ययन केंद्र की निदेशक डॉ. अर्चना सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड, डॉ. बृंदा निशानदार, अनिल तिवारी, डॉ. सुवर्णा जाधव, डॉ. भरत बागुल, डॉ. मेघा देवले, डॉ. प्रकाश संसारे, डॉ. आनंद धर्माधिकारी, प्रा. गणेश कुमावत, के. एच. डोंगरे, किरण रायकर, प्रा. भूषण निकम और प्रा. ज्योति थोरात और अखिलेश आदि प्राध्यापकों के अथक सहयोग से संपन्न हुआ।

भारत संवाद
...क्रांतिबीज
मुंबई और प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
www.bharatsamvad.in

बिड़ला महाविद्यालय द्वारा शान्ति यात्रा का आयोजन

भारत संवाद संवाददाता

महात्मा गाँधी की जन्मतिथि - अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा शान्ति यात्रा का आयोजन किया गया. यात्रा का प्रारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील, वरिष्ठ पत्रकार अनन बेतावटकर, डॉ. हरीश दुबे और उप प्राचार्य विपिन चन्द्र वाडेकर एवं उप प्राचार्य आईजेक जेरी द्वारा बापू की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ हुआ.

महात्मा गांधी के विचारों के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से यह यात्रा महाविद्यालय के गाँधी अध्ययन केंद्र द्वारा हर वर्ष आयोजित की जाती है. इस यात्रा में महाविद्यालय के एन सी सी, एन एस एस एवं अन्य संकायों के छात्रों के साथ-साथ उर्दू नेशनल हाई स्कूल, सरस्वती विद्यालय सहित अनेक शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्रों एवं राष्ट्रीय सेवादल के सदस्यों ने भाग लिया. यात्रा के दौरान महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की मूतिर्यों से सजा शान्ति रथ और गांधी विचारों के कार्ड लिए छात्रों की लम्बी संख्या लोगों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही थी.

बापू के प्रिय भजनों एवं उनके सिद्धांतों पर चलने की शपथ के साथ इस यात्रा का समापन महाविद्यालय में ही हुआ. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा युवा पीढी को बापू के सिद्धांतों को जीवन में अंगीकृत करने की बात कही गई. उनके अनुसार स्वच्छता बापू के विचारों की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है. गांधी अध्ययन केंद्र की निदेशक डॉ. अर्चना सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और डॉ कार्यक्रम के आयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने गांधी विचारों को आज के परिवेश के लिए अति प्रासंगिक बताते हुए सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया.

यह आयोजन डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड, डॉ. बृंदा निशानदार, श्री अनिल तिवारी, डॉ. सुवर्णा जाधव, डॉ. भरत बागुल, डॉ. मेघा देवले, डॉ. प्रकाश संसारे, डॉ. आनंद धर्माधिकारी, प्रा. गणेश कुमावत, श्री के. एच. डोंगरे, श्री किरण रायकर, प्रा. भूषण निकम और प्रा. ज्योति थोरात और

अवैध निर्माण को कौन दे रहा है बढ़ावा ?

हमारा महानगर
epaper.hamaramahanagar.net
03 Oct 2023 - Page 2

बिड़ला महाविद्यालय द्वारा शान्ति यात्रा का आयोजन

महानगर नेटवर्क

कल्याण

बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित गांधी अध्ययन केंद्र द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्मतिथि– अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर शान्ति यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का प्रारंभ महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ.नरेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील, रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, उप प्राचार्य विपिन चन्द्र वाडेकर, उप प्राचार्या स्मिता गुप्ता एवं उप प्राचार्य आईजेक जेरी, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोंकण प्रान्त के कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख और राष्ट्रीय मंत्री डॉ. दिनेश प्रताप सिंह द्वारा बापू की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ हुआ। महात्मा गांधी के विचारों के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से यह यात्रा महाविद्यालय के गांधी अध्ययन केंद्र द्वारा हर वर्ष आयोजित की जाती है। इस यात्रा में महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस एवं अन्य संकायों के छात्रों के साथ-साथ उर्दू नेशनल हाई स्कूल, सेंचुरी विद्यालय, रेल चाइल्ड द्वारा संचालित सरस्वती मंदिर पूर्व प्राथमिक विद्यालय सहित अनेक शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्रों एवं राष्ट्रीय सेवादल और अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा के दौरान छात्रों द्वारा रास्तों की सफाई भी की गई। बापू के प्रिय भजनों एवं उनके सिद्धांतों पर चलने की शपथ के साथ इस यात्रा का समापन महाविद्यालय में हुआ। डॉ.कार्यक्रम के आयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. बृंदा निशानदार, अनिल तिवारी, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड, डॉ. सुवर्णा जाधव, डॉ. भरत बागुल, डॉ. मेघा देवले, प्रा. प्रकाश संसारे, डॉ. आनंद धर्माधिकारी, प्रा. गणेश कुमावत, श्री के. एच. डोंगरे, किरण रायकर, प्रा. भूषण निकम और प्रा. ज्योति थोरात, दीपाली देशपांडे, तरुणा मदियान, दिव्या सिंह,अखिलेश, सूरज आदि प्राध्यापकों एवं सहयोगियों के अथक प्रयास से संपन्न हुआ।

आपका अपना अखबार....

हमारी रफ्तार

संपादक - शेख तनवीर अकबर मौहुद

104 दैनिक, अंबरनाथ, मंगलवार दि. 03/10/2023 पृष्ठ 4 मूल्य 2 रूपये RNI NO. MAHHIN/2014/56388 Post Reg.

बिडला महाविद्यालय द्वारा शान्ति यात्रा का आयोजन

संवाददाता, कल्याण. बी. के. बिडला महाविद्यालय, कल्याण के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित गाँधी अध्ययन केंद्र द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जन्मतिथि व अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर शान्ति यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का प्रारंभ महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील, रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, उप प्राचार्य विपिन चन्द्र वाडेकर, उप प्राचार्या स्मिता गुप्ता एवं उप प्राचार्य आईजेक जेरी, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, कोंकण प्रान्त के कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख और राष्ट्रीय मंत्री डॉ. दिनेश प्रताप सिंह द्वारा बापू की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ हुआ था महात्मा गांधी के विचारों के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से यह यात्रा महाविद्यालय के गाँधी अध्ययन केंद्र द्वारा हर वर्ष आयोजित की जाती है। इस यात्रा में महाविद्यालय के एन सी सी, एन एस एस एवं अन्य संकायों के छात्रों के साथ–साथ उर्दू नेशनल हाई स्कूल, सेंचुरी विद्यालय, रेल चाइल्ड द्वारा संचालित सरस्वती मंदिर पूर्व प्राथमिक विद्यालय सहित अनेक शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्रों एवं राष्ट्रीय सेवादल और अखिल भारतीय साहित्य परिषद

के सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा के दौरान महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की मूर्तियों से सजा शान्ति रथ और गांधी विचारों के कार्ड लिए छात्रों की लम्बी संख्या लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। बापू के प्रिय भजनों एवं उनके सिद्धांतों पर चलने की शपथ के साथ इस यात्रा का समापन महाविद्यालय में हुआ। डॉ. कार्यक्रम के आयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. वृंदा निशानदार, अनिल तिवारी, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड, डॉ. सुवर्णा जाधव, डॉ. भरत बागुल, डॉ. मेधा देवले, प्रा. प्रकाश संसारे, डॉ. आनंद धर्माधिकारी, प्रा. गणेश कुमावत, श्री के. एच. डोंगरे, श्री किरण रायकर, प्रा. भूषण निकम और प्रा. ज्योति थोरात, दीपाली देशपांडे, तरुणा मदियान, दिव्या सिंह , अखिलेश, सूरज आदि प्राध्यापकों एवं सहयोगियों के अथक प्रयास से संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक ड्राइवर की पिटाई कर लूटपाट, मामला दर्ज

नाम का बदलाव कर युवकों की बेरहमी से पिटाई

फ्लैट बेचने के नाम पर पुलिस के साथ 32 लाख की ठगी

बिड़ला महाविद्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर शांति यात्रा का आयोजन

स्वच्छता ही सेवा अभियान से येऊर हिल्स को काच व प्लास्टिक से मिली मुक्ति

» बड़ी थैली में कचरा, काच, प्लास्टिक किया जमा इस अभियान में कई संस्था और नागरिक शामिल होकर येऊर हिल्स को काच, कचरा, प्लास्टिक से अंधार से किया मुक्त

नवी मुंबई के अनाधिकृत स्कूलों पर 15 करोड़ 54 लाख रुपये का जुर्माना

पनवेल में पांच दिनों के लिए मध्यरात्रि ट्रैफिक ब्लॉक

ठाणे में शख्स ने किया लड़की का उत्पीड़न, मामला दर्ज

लोकल ट्रेन रैक को स्वच्छता और गांधी थीम के साथ चित्रित किया गया

उल्हासनगर मनपा का गांधी जयंती के उपलक्ष्य पर "स्वच्छता ही सेवा" पखवाड़ा का आयोजन

फ्लिपकार्ट के विज्ञापन में देश के व्यापारियों को नीचा दिखाने के खिलाफ व्यापारियों में आक्रोश कानून के खिलाफ रोष का माहौल

प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों के अंश वाला 'कर्तव्य 2024' डायरी का उपमुख्यमंत्री फडणवीस के हाथों विमोचन

"14 मिनट मीरेकल" भारतीय रेल का वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में सफाई और हाउसकीपिंग का एक क्रांतिकारी बदलाव

भाजपा पर बरसे राउत, प्रधानमंत्री को सिर्फ भाजपा का नेता बना डाला

धोखाधड़ी के मामले गिरफ्तार व्यक्ति की मौत

बिड़ला महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा शिविर आयोजित

"योगी और महाराजाओं के राजनीति में आने से बर्बाद होने लगता है देश" : प्रणति शिंदे

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मेमोरियल रेलवे अस्पताल भायखला को सीएसआर पहल के तहत कंप्यूटर असिस्टेड नेविगेशन सिस्टम भेंट

आज का बजट
सोना (१० ग्राम) 52,480.00
चांदी (१ किलो) 57300.00
सेंसेक्स 56,409.96
निफ्ट 16,818.10

DPS दैनिक पहला समाचार
देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार
संपादक : भास्कर तिवारी RNI No. MAHHIN/2010/34776 एक कदम निष्पक्षता की ओर
वर्ष : ११ अंक : १७९ मुंबई, गुरूवार २३ फरवरी २०२३ पृष्ठ : ६ मूल्य : ३

बिड़ला महाविद्यालय में बजट चर्चा एवं कॉमर्जेन्स फेस्टिवल संपन्न

महेश द्विवेदी

कल्याण। बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा वाणिज्य के छात्रों के लिए कमर्जेंस एवं बजट पर सामान्य जनता के लिए चर्चा रखी गई। कमर्जेंस का आयोजन वाणिज्य की सामाजिक एवं आर्थिक भूमिका को केंद्र में रख कर किया गया था। वाणिज्य के छात्रों ने इसे एक उत्सव के रूप में मनाया।

इस अवसर पर नौकरी के अतिरिक्त उद्यमिता के क्षेत्र में वाणिज्य की महत्ता को दर्शाने के लिए छात्रों ने दर्जनों स्टॉल लगाये और दैनिक जीवन में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं की बिक्री की। यह कार्यक्रम नई पीढी को स्वरोजगार एवं वाणिज्य के महत्त्व से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर वाणिज्य से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषयों पर छात्रों द्वारा अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये गये। छात्रों द्वारा नैतिक शिक्षा, क्रियात्मक शिक्षा, उद्यमिता विकास, संगठनात्मक कौशल, वाणिज्य के सामाजिक महत्त्व आदि विषयों पर चर्चा की गई। कुछ छात्रों ने मल्लखम्ब जैसे अपने कौशल का प्रदर्शन भी किया गया। इस आयोजन का उद्घाटन सुबोध दवे, उपाध्यक्ष, प्रबंधन समिति, महाविद्यालय के निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र एवं प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

ज्ञातव्य हो कि बिड़ला महाविद्यालय द्वारा लम्बे समय से भारत सरकार के बजट के बाद सामान्य जनता के लिए बजट की उपयोगिता और उसकी विशेषताओं पर चर्चा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष के आयोजन में बजट पर चर्चा के लिए प्रमोद कुमार, आई आर एस (अवकाश प्राप्त), प्रिंसिपल कमिश्नर और सी ए शैलेश बंडी जैसे विद्वानों द्वारा बड़ी सरलता पूर्वक बजट की बारीकियों को स्पष्ट किया गया। इस अवसर पर सी. ए. सी. डी. फड़के, डॉ. हरीश दुबे, डॉ. अशोक प्रधान, एड. मनोहर पालन आदि गणमान्य उपस्थित थे।

यह आयोजन उपप्राचार्य डॉ. विपिन चंद वाडेकर, डॉ. अनुराधा हस्तक, डॉ. वृंदा निशानदार, प्रा. लक्षित सोनी, प्रा. भरत बागुल, प्रा. ज्योति तुपे सहित हुमायरा शेख, ऐश्वर्या पिसरोडी, आदित्य गोरक्षकर, रितिशा सिंह, श्रेया शर्मा, ओम सावंत और हर्षित तिवारी आदि छात्रों की अथक मेहनत से संपन्न हो सका। इस आयोजन में कल्याण के अन्य महाविद्यालयों के छात्रों की भी व्यापक उपस्थिति रही।

यशोभूमि

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय रग्बी टूर्नामेंट 21 तक

कल्याण, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण और मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर

विश्वविद्यालयीन रग्बी टूर्नामेंट का आयोजन १२ अप्रैल से २१ अप्रैल तक किया गया है। इस टूर्नामेंट में भारत के अलग-अलग राज्यों के विविध विश्वविद्यालयों से एक हजार से अधिक महिला और पुरुष खिलाड़ियों की सहभागिता रहेगी। यह टूर्नामेंट रामलीला मैदान, शहाड में आयोजित किया गया है। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन डॉ. विजय सूर्यवंशी, आयुक्त केडीएमसी, प्रो. आर. डी. कुलकर्णी, प्र. उपकुल गुरु, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई तथा डॉ. नरेश चन्द, निदेशक, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण और राहुल बोस, प्रेसीडेंट, भारतीय रग्बी फुटबाल संघ आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। बी. के. बिड़ला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. विजय सूर्यवंशी ने खेल को जीवन का मुख्य अंग बताते हुए कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका को हर स्तर पर खेल का केंद्र बनाने की बात कही। इसके लिए उन्होंने कल्याण महानगर पालिका के विद्यालयों में भी रग्बी शुरू करने की बात कही। मुम्बई विश्वविद्यालय के प्र. उपकुल गुरु प्रो. आर. डी. कुलकर्णी ने खेल को एक मुख्य विषय के रूप में पढ़ाने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा एक विशेष खेल केंद्र प्रारंभ किया गया है।

Main Edition
Page No.2 April 15, 2022

यशोभूमि

रग्बी टूर्नामेंट का आयोजन संपन्न

कल्याण, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण और मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालयीन रग्बी टूर्नामेंट का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस टूर्नामेंट में भारत के अलग-अलग राज्यों के चालीस विविध विश्वविद्यालयों से पांच सौ से अधिक पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। चार दिन तक चली इस पुरुष रग्बी प्रतियोगिता के अंतिम दिन मुंबई विश्वविद्यालय के रग्बी खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर देते हुए चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली की टीम ने 15 खिलाड़ी वर्ग की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन दोनों विश्वविद्यालयों का अंतिम खेल अत्यंत रोमांचक रहा, वहीं सात खिलाड़ी वर्ग की प्रतियोगिता में लवली प्रोफेशनल

विश्वविद्यालय, पंजाब ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी खेल में कालीकट विश्वविद्यालय, केरल के जुझारू खिलाड़ियों को दूसरे स्थान पर ही संतोष करना पड़ा। इस अवसर पर मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई के कुलगुरु प्रो. सुहास पेडनेकर ने खेल भावना को देश की समृद्धि के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए खेल को पढ़ाई का एक प्रमुख अंग बनाने की बात कही। आयोजन के अंत में प्रा. अनिल तिवारी ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

Main Edition
Page No.2 April 24, 2022

आजका बजट
सोन (10 ग्राम) 52,704
चांदी (1 किलो) 69,900
सेंसेक्स 56,463
निफ्ट 16,958
युएसडी/भारतीय 76.500

दैनिक
देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार DPS
पहला समाचार
संपादक : भास्कर ति. तिवारी RNI No. MAHHIN/2010/34776 एक कदम निष्पक्षता की ओर
बूंद बूंद बचाएंगे, अपना सुन्दर कल बनाएँगे
हरे-भरे पेड़ है जहा, धरती का स्वर्ग है वहा

वर्ष : 10 | अंक: 296 | मुंबई, शनिवार 23 अप्रैल 2022 | पृष्ठ: 6 | मूल्य: 3

आवश्यकता
सेंट्रल, वेस्टर्न, हर्बल लाइन के आलावा अन्य स्थानों के पांच वर्षों के अनुभवी संवाददाता व विज्ञापनदाता अपने बायोडाटा के साथ कार्यालय में दोपहर दो बजे से शाम आठ बजे के अंदर संपर्क करें।
-संपादक
दैनिक पहला समाचार
शाप नंबर- 01 लक्ष्मी निवास, अयधनाथ ठाकुर चाल, हेमु कॉलोनी, ईरानीवाड़ी रोड नं-4 कांदिवली (प.), मुंबई, 400067
फोन. 022 28610067
दैनिक पहला समाचार मिलता न हो तो कृपा करके पेपर के स्टॉल का नाम, पता और नंबर हमें निचे दिये गये व्हाटसपर पर बतायें।
+91 99307 37192

कल्याण में अखिल भारतीय रग्बी टूर्नामेंट आयोजित

कल्याण। अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीन पुरुष टूनार्मेंट के दोनों प्रथम पुरस्कार पंजाब के विश्वविद्यालयों ने झटके हैं। मुबई को दूसरा स्थान मिला। बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण और मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालयीन रग्बी टूनार्मेंट का आयोजन १२ अप्रेल से २१ अप्रेल, २०२२ तक किया गया था। इस टूनार्मेंट में भारत के अलग-अलग राज्यों के चालीस विविध विश्वविद्यालयों से पाँच सौ से अधिक पुरुष खिलाड़ियों की सहभागिता है। चार दिन तक चली इस पुरुष रग्बी प्रतियोगिता के अंतिम दिन मुंबई विश्वविद्यालय के रग्बी खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर देते हुए चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली की टीम ने 15 खिलाड़ी वर्ग की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन दोनों विश्वविद्यालयों की अंतिम खेल अत्यंत रोमांचक रही। वहीं सात खिलाड़ी वर्ग की प्रतियोगिता में लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय,पंजाब ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी खेल में कालीकट विश्वविद्यालय, केरल के जुझारू खिलाड़ियों को दूसरे स्थान पर ही संतोष करना पड़ा। इस टूनार्मेंट के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. सुहास पेडनेकर, कुलगुरु, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, डॉ. नरेश चन्द्र, शिक्षा निदेशक, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण, सुबोध दवे, उपाध्यक्ष, प्रबंधन समिति, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील, उप प्राचार्या, डॉ. स्वप्ना समेल, रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य एवं आयोजक डॉ. हरीश दुबे तथा प्रा. यागन्येश्वर बागराव आदि गणमान्यों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। खेल की समाप्ति के अवसर पर गणमान्य अतिथियों द्वारा सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मान चिन्ह एवं पुरस्कार प्रदान किये गए । इस अवसर पर मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई के कुलगुरु प्रो. सुहास पेडनेकर ने खेल भावना को देश की समृद्धि के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए खेल को पढाई का एक प्रमुख अंग बनाने की बात कही। डॉ. नरेश चन्द्र ने खिलाड़ियों के साहस की तारीफ करते हुए रग्बी में वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएँ दी। आयोजन के अंत में प्रा. अनिल तिवारी ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। ज्ञातव्य हो कि बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण इस वर्ष (२०२१-२२) को अपनी स्थापना का स्वर्ण जयन्ती वर्ष मना रहा है। इस अवसर पर आयोजित इस टूनार्मेंट ने सभी छात्रों और प्राध्यापकों में एक नया उत्साह भर दिया है।

अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालयीन पुरुष रग्बी टूर्नामेंट
प्रथम पुरस्कार पंजाब, मुबई को मिला दूसरा स्थान

● **टीएमसी संवाददाता**

मुंबई, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण और मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालयीन रग्बी टूर्नामेंट का आयोजन १२ अप्रेल से २१ अप्रैल, २०२२ तक किया गया था।

इस टूर्नामेंट में भारत के अलग-अलग राज्यों के चालीस विविध विश्वविद्यालयों से पाँच सौ से अधिक पुरुष खिलाड़ियों की सहभागिता है। चार दिन तक चली इस पुरुष रग्बी प्रतियोगिता के अंतिम दिन मुंबई विश्वविद्यालय के रग्बी खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर देते हुए चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली की टीम ने 15 खिलाड़ी वर्ग की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन दोनों विश्वविद्यालयों की अंतिम खेल अत्यंत रोमांचक रही। बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण इस वर्ष (२०२१-२२) को अपनी स्थापना का स्वर्ण जयन्ती वर्ष मना रहा है। इस अवसर पर आयोजित इस टूर्नामेंट ने सभी छात्रों और प्राध्यापकों में एक नया उत्साह भर दिया है।

अनन्या पांडे संडे को अपने अंदाज में एन्जॉय करती आई नजर — पेज 11

जागरूक टाइम्स

मुंबई, सिरोही, जयपुर से प्रकाशित

www.jagruktimes.co.in

₹4

मेंहदी हसन से हारा भारत — पेज 11

▸ वर्ष-19 ▸ अंक-130 मुंबई, सोमवार 5 दिसंबर 2022 ▸ मुंबई ▸ पृष्ठ 12 ▸ मूल्य

कल्याण : अंतर विश्वविद्यालयीन टेनिस टूर्नामेंट संपन्न

■ जागरूक टाइम्स संवाददाता

कल्याण। बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण और मुंबई विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर विश्वविद्यालयीन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। ओलम्पिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पलावा, कल्याण में संपन्न इस आयोजन में पांच राज्यों महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गोवा, राज स्थान सहित गुजरात के कुल अड़तीस विश्वविद्यालयों के दो सौ से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता रही। इस पांच दिवसीय टूर्नामेंट में गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद को प्रथम, रेनीसेन्स विश्वविद्यालय, इंदौर को द्वितीय और शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। टूर्नामेंट के उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में दत्तात्रय शिंदे, बिड़ला महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील डॉ. मोहन अमरूले आदि खेलप्रेमी विशेष रूप से उपस्थित थे। समापन के अवसर पर डॉ. दयानंद कुमार, उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र ओलम्पिक असोसिएशन विशेष रूप से उपस्थित थे। देश के अलग-अलग राज्यों से सहभागी खिलाडियों के उत्साह और उनके जुझारूपन की तारीफ उपस्थित दर्शकों द्वारा मुक्त कंठ की गई। आयोजन डॉ. मोहन अमरूले, डॉ. हरीश दुबे, प्राचार्य, डॉ. वाई डी. बागराव अथक प्रयत्नों से संभव हो सका। इस आयोजन में डॉ. डी. के.

बराटे, डॉ. दत्ता क्षीर सागर, डॉ. अर्चना सिंह,जीतू सैनी, डॉ. विजय जाधव एवं डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय आदि प्राध्यापकों सहित भूमिका रही। ज्ञातव्य हो कि मुंबई विश्विद्यालय के साथ मिलकर बिड़ला महाविद्यालय द्वारा एक वर्ष में यह दूसरा बड़ा राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। खेल समापन के अवसर पर डॉ. हरीश दुबे ने सभी आगंतुकों सहित खिलाड़ियों को सुविधा प्रदान करने वाले अरुण शेट्टी एवं चरण शेट्टी और स्वप्निल घोले के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिड़ला महाविद्यालय एवं मुम्बई वि.वि. के संयुक्त तत्त्वावधान में टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन

सुजीत श्रीवास्तव.

कल्याण. बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण और मुंबई विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में अन्तरविश्वविद्यालयीन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया द्य ओलम्पिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पलावा, कल्याण में संपन्न इस आयोजन में पाँच राज्यों

महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गोवा, राज स्थान सहित गुजरात के कुल अड़तीस विश्वविद्यालयों के दो सौ से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता रही द्य इस पाँच दिवसीय टूर्नामेंट में गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद को प्रथम, रेनीसेन्स विश्वविद्यालय, इंदौर को द्वितीय और शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ.

इस टूर्नामेंट के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अडीशनल पुलिस कमिश्नर ठाणे दत्तात्रय शिंदे सहित

बाकी पेज 4 पर

सावित्रीबाई विवि के छात्रों को प्रथम स्थान

राष्ट्रीय महिला अंतर-विश्वविद्यालय टेनिस टूर्नामेंट

■ कल्याण, (सं). मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई और बीके बिड़ला कॉलेज, कल्याण द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय महिला अंतर-विश्वविद्यालय टेनिस टूर्नामेंट ओलंपिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पलावा-डोंबिवली में आयोजित किया गया. 5 राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की विशेष भागीदारी रही. इस प्रतियोगिता के उद्घाटन पर कल्याण डोंबिवली मनपा की आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं. मुख्य अतिथि का बिड़ला कॉलेज के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेशचंद्र द्वारा विशेष स्वागत एवं सम्मान किया गया.

एल. एन ग्वालियर की छात्राओं ने मारी बाजी

इस अवसर पर मुंबई विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. मोहन अमरुले, नाइट कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, खेल निदेशक अनिल तिवारी, वाई. डी. बागराव एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे. तीन दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में पुणे की सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी के छात्रों ने रोचक मुकाबले के बाद पहला स्थान हासिल किया. दूसरी रैंक मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई और तीसरी रैंक एल. एन. ग्वालियर की छात्राओं ने बाजी मारी. इस प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह मुख्य अतिथि बिरला कॉलेज प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सुबोध दवे, डा. नरेश चंद्रा और डॉ. मोहन अमरूले की उपस्थिति में हुआ. इस कार्यक्रम का आयोजन तुषार लोंढे, जितेन्द्र शैनी, प्रो. गणेश कुमावत, डा. अभिजीत रावल, डॉ. दिनेश वनुले, डॉ. नारायण तोतेवाड, रेवती हंसवाडकर, निश्मिता राणा, जयवंत माने, आकांक्षा ठाकुर, सरोज अयंगर और अक्षय, वैभव आदि ने संभव बनाया.

RANE PRAKASHAN PRIVATE LIMITED
शब्दांना सत्याची धार
प्रहार

सावित्रीबाई फुले विद्यापीठाने पटकावला प्रथम क्रमांक

◆ कल्याण (वार्ताहर) :

मुंबई विद्यापीठ, मुंबई आणि बी. के. बिर्ला महाविद्यालय, कल्याण यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित राष्ट्रीय आंतरविद्यापीठ महिला टेनिस स्पर्धा ऑलिम्पिक क्रीडा संकुल, पलावा - डोंबिवली येथे नुकत्याच पार पडल्या. तीन दिवस चाललेल्या या स्पर्धेत पुणे येथील सावित्रीबाई फुले विद्यापीठाने प्रथम क्रमांक पटकावला. मुंबई विद्यापीठाने दुसरा, तर एल. एन. ग्वाल्हेरने तिसरा क्रमांक पटकावला.

स्पर्धेच्या उद्घाटनप्रसंगी प्रमुख पाहुणे म्हणून कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिकेच्या आयुक्त डॉ. इंदुराणी जाखड उपस्थित होत्या. यावेळी मुंबई विद्यापीठाचे क्रीडा संचालक डॉ. मोहन अमरुळे, नाईट कॉलेजचे प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, क्रीडा संचालक अनिल तिवारी, वाय. डी. बागराव आदींची उपस्थिती होती.

स्पर्धेचा पारितोषिक वितरण समारंभ प्रमुख पाहुणे बिर्ला कॉलेज व्यवस्थापन समिती उपाध्यक्ष सुबोध दवे, बिर्ला महाविद्यालयाचे शिक्षण संचालक डॉ. नरेशचंद्र आणि डॉ. मोहन अमरुळे यांच्या उपस्थितीत संपन्न झाला.

तुषार लोंढे, जितेंद्र शैनी, प्रा. गणेश कुमावत, डॉ. अभिजीत रावल, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड, रेवती हुन्सवाडकर, निश्मिता राणा, जयवंत माने, आकांक्षा ठाकुर, सरोज अय्यंगार आणि अक्षय, वैभव आदींच्या परिश्रमामुळे स्पर्धा यशस्वीरित्या संपन्न झाली.

महाराष्ट्राच्या ग्रामीण व शहरी भागातील लोकप्रिय दैनिक

दैनिक ठाणे जीवनदीप वार्ता

कार्यकारी संपादक : श्री. विजय यादव jeevandeepvartanews2020@gmail.com मुख्य संपादक : श्री. रविंद्र पोडविंदे

शुक्रवार ❖ ०१ डिसेंबर २०२३ ❖ वर्ष ५ ❖ अंक - १५८ ❖ पाने - ८ RNI NO : MAHMAR/2016/72091 Postal Reg. No. THC/256/2022-2024

राष्ट्रीय महिला आंतरविद्यापीठ टेनिस स्पर्धेचा समारोप

सावित्रीबाई फुले विद्यापीठाला प्रथम क्रमांक

दै.ठाणे जीवनदीप वार्ता ☐ प्रतिनिधी

कल्याण : मुंबई विद्यापीठ, मुंबई आणि बी.के.बिर्ला महाविद्यालय, कल्याण यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित राष्ट्रीय महिला आंतरविद्यापीठ टेनिस स्पर्धेचा समारोप ऑलिम्पिक क्रीडा संकुल, पलावा - डोंबिवली येथे झाला. महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा या पाच राज्यांतील विविध विद्यापीठांतील विद्यार्थिनींचा विशेष सहभाग होता.

या स्पर्धेच्या उद्घाटनप्रसंगी प्रमुख पाहुणे म्हणून कल्याण डोंबिवली महानगरपालिकेच्या आयुक्त डॉ इंदुराणी जाखड उपस्थित होत्या. प्रमुख पाहुण्यांचे बिर्ला महाविद्यालयाचे शिक्षण संचालक डॉ.नरेशचंद्र यांच्या हस्ते विशेष स्वागत व सन्मान करण्यात आला. यावेळी मुंबई विद्यापीठाचे क्रीडा संचालक डॉ. मोहन अमरुळे, नाईट कॉलेजचे प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, क्रीडा संचालक अनिल तिवारी, वाय. डी. बागराव आदींची उपस्थिती होती.

तीन दिवस चाललेल्या या स्पर्धेतील रंजक स्पर्धेनंतर पुणे येथील सावित्रीबाई फुले विद्यापीठाच्या विद्यार्थ्यांनी प्रथम क्रमांक पटकावला. द्वितीय क्रमांक मुंबई विद्यापीठ, मुंबई आणि तृतीय क्रमांक एल. एन. ग्वाल्हेरच्या विद्यार्थिनींनी पटकावला. या स्पर्धेचा समारोप व पारितोषिक वितरण समारंभ प्रमुख पाहुणे बिर्ला कॉलेज व्यवस्थापन समिती उपाध्यक्ष सुबोध दवे, डॉ. नरेशचंद्र आणि डॉ. मोहन अमरुळे यांच्या उपस्थितीत संपन्न झाला.

या कार्यक्रमाचे आयोजन तुषार लोंढे, जितेंद्र शैनी, प्रा. गणेश कुमावत, डॉ. अभिजीत रावल, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड, रेवती हुन्सवाडकर, निश्मिता राणा, जयवंत माने, आकांक्षा ठाकूर, सरोज अय्यंगार आणि अक्षय, वैभव आदींच्या अथक परिश्रमामुळे हे काम पूर्ण होऊ शकले.

दैनिक पहला समाचार
देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार
संपादक : भास्कर तिवारी RNI No. MAHHIN/2010/34776

त्रिस्तरीय - त्रिभाषी निबंध प्रतियोगिता संपन्न

पहला समाचार

कल्याण, कल्याण स्थित बी. के. बिडला महाविद्यालय, कल्याण में अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोंकण प्रांत, कल्याण इकाई द्वारा आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कल्याण डोम्बीवली, भिवंडी, उल्हास नगर, मुरबाड एवं अम्बरनाथ के विद्यालय, कनिष्ठ विद्यालय और महाविद्यालयों के छात्रों के लिए हिन्दी, मराठी एवं अंग्रेजी भाषा में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में आठवीं से दसवीं कक्षाके छात्रों लिए 'भारतीय संस्कृति की पहचान : हमारे संयुक्त परिवार', ग्यारहवीं एवं बारहवीं के छात्रों के लिए ' समाज को जोड़ने में भाषाओं की भूमिका' और स्नातक / स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए 'भारतीय साहित्य में मानव मूल्य' जैसे विषयों पर निबन्ध आमंत्रित किये गये थे। जिसमें 37 शिक्षण संस्थानों के कुल 571 छात्रों की सहभागिता रही। इस अवसर पर कुल 30 छात्रों को सम्मानित किया गया। सम्मानित छात्रों में बी. के. बिडला पब्लिक स्कूल, सेंचुरी रेयान हाई स्कूल, नूतन हिन्दी हाई स्कूल, केंट वैली इंटरनेशनल स्कूल, नेशनल उर्दू हाई स्कूल, केम्ब्रिया इंटरनेशनल स्कूल, लोक कल्याण पब्लिक स्कूल और चेतना इंग्लिश हाई स्कूल के विद्यार्थी प्रमुख थे। महाविद्यालय के स्तर पर बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, साकेत महाविद्यालय, अचिवर्स महाविद्यालय, बी. एन. पवार महाविद्यालय, अम्बरनाथ, एस. जी. कॉलेज, शिवले, आर. के. टी. कॉलेज, उल्हासनगर प्रमुख थे। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए और उनके मार्गदर्शक अध्यापकों तथा निर्णायकों को भी सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीधर पराडकर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय साहित्य परिषद् उपस्थित थे।

जागरूक टाइम्स

त्रिस्तरीय-त्रिभाषी निबंध प्रतियोगिता संपन्न

जागरूक टाइम्स संवाददाता

कल्याण। कल्याण स्थित बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण में अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोंकण प्रांत, कल्याण इकाई द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कल्याण डोंबीवली, भिवंडी, उल्हास नगर, मुरबाड एवं अंबरनाथ के विद्यालय, कनिष्ठ विद्यालय और महाविद्यालयों के छात्रों के लिए हिन्दी, मराठी एवं अंग्रेजी भाषा में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इसमें आठवीं से दसवीं कक्षाके छात्रों लिए 'भारतीय संस्कृति की पहचान : हमारे संयुक्त परिवार', ग्यारहवीं एवं बारहवीं के छात्रों के लिए 'समाज को जोड़ने में भाषाओं की भूमिका' और स्नातक/ स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए 'भारतीय साहित्य में मानव मूल्य' जैसे विषयों पर निबन्ध आमंत्रित किए गए थे। 37 शिक्षण संस्थानों के कुल 571 छात्रों की सहभागिता रही। इस अवसर पर कुल 30 छात्रों को सम्मानित किया गया। जिनमें बी. के. बिडला पब्लिक स्कूल, सेंचुरी रेयान हाई स्कूल, नूतन हिन्दी हाई स्कूल, केंट वैली इंटरनेशनल स्कूल, नेशनल उर्दू हाई स्कूल, केंब्रिया इंटरनेशनल स्कूल, लोक कल्याण पब्लिक स्कूल और चेतना इंग्लिश हाई स्कूल के विद्यार्थी प्रमुख थे। महाविद्यालय के स्तर पर बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, साकेत महाविद्यालय, अचिवर्स महाविद्यालय, बी. एन. पवार महाविद्यालय, अंबरनाथ, एस. जी. कॉलेज, शिवले, आर. के. टी. कॉलेज, उल्हासनगर प्रमुख थे।

त्रिस्तरीय - त्रिभाषी निबंध प्रतियोगिता संपन्न

सुजीत श्रीवास्तव.

कल्याण. कल्याण–डोंबिवली , भिवंडी, उल्हास नगर, मुरबाड एवं अंबरनाथ के विद्यालय, कनिष्ठ विद्यालय और महाविद्यालयों के छात्रों के लिए हिन्दी, मराठी एवं अंग्रेजी भाषा में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था द्य इस आयोजन में आठवीं से दसवीं कक्षाके छात्रों लिए 'भारतीय संस्कृति की पहचान रू हमारे संयुक्त परिवार' , ग्यारहवीं एवं बारहवीं के छात्रों के लिए ' समाज को जोड़ने में भाषाओं की भूमिका' और स्नातक के छात्रों के लिए 'भारतीय साहित्य में मानव मूल्य' जैसे विषयों पर निबन्ध आमंत्रित किये गये थे द्य जिसमें 37 शिक्षण संस्थानों के कुल 571 छात्रों की सहभागिता रही। जिसमें कुल 30 छात्रों को सम्मानित किया गया द्य इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीधर पराडकर , राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय साहित्य परिषद् उपस्थित थे।विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने भारतीय जीवन मूल्यों को अपने जीवन में अंगीकृत करने की बात कही। नई पीढी को लेखन के प्रति जागरूक करते हुए स्वभाषा की महत्ता और संयुक्त परिवारों से सम्बद्ध स्वानुभूत अनेक उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

बी. के. बिड़ला रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और श्री संजय द्विवेदी ने आभार व्यक्त किया। सतीश केतकर ने सभी अतिथियों का सम्मान किया द्य अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कल्याण इकाई के अध्यक्ष डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस आयोजन के अन्य सम्मानित अतिथि के रूप में श्रीमती यशोदा नाईक, प्रधानाध्यापिका, हॉली क्रॉस स्कूल, श्री अब्दुल्ला खान, प्रधानाध्यापक, उर्दू नेशनल हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज, नवनाथ मुले, उप प्राचार्य, साकेत कॉलेज, श्री सुशील पाण्डेय, डॉ. मधु सुक्रे, अखिलेश, प्रिया, पूनम, प्रीती मिश्रा, चंद्रा बिष्ट, श्री जगत नारायण उपाध्याय और ललित आदि गणमान्य उपस्थित थे।

RNI No.-MAHHIN/2017/74173

दैनिक हिन्दी

मुम्बई

वर्ष : 06,
अंक : 110,
पृष्ठ : 6,
मूल्य : 2 रुपया

भारत संवाद

www.bharatsamvad.in

बुधवार
12 अक्टूबर 2022

मुम्बई और प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित

सच है आधार

2 असंभव है मुलायम सिंह होना...

5 विकास खण्ड देवबन्द, साढौली कदीम...

6 रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए ...

बिड़ला महाविद्यालय में गाँधी विचारों पर कार्यशाला आयोजित

भारत संवाद संवाददाता

कल्याण। बी.के. बिड़ला महाविद्यालय के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित गाँधी अध्ययन केंद्र द्वारा 'व्यवहार में बापू' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया "इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महादेव विद्रोही, अध्यक्ष, सर्व सेवा संघ, साबरमती, अहमदाबाद एवं इन्दवी ताई तुलतुले, मुरबाड जैसे समाजसेवी उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बापू के सिद्धांतों को आज के परिवेश में शान्ति की स्थापना के लिए आवश्यक बताया। मुख्य अतिथि महादेव 'विद्रोही' ने स्वतंत्र भारत में आर्थिक विकास में बढ़ती असमानता पर चिंता व्यक्त किया और भौतिक संसाधनों के नियन्त्रण पर जोर दिया। पिछले चार दशकों से आदिवासी क्षेत्रों में समर्पित भाव से जन सेवा कर रही इदवी तुलतुले

ने महात्मा गांधी के जीवन की सादगी, ईमानदारी और निडरता की चर्चा करते हुए इसे युवा पीढ़ी को अपनाने की सलाह दी। प्रो. हूबनाथ पाण्डेय ने जिन्दगी में बापू के सिद्धांतों को अपनाने पर जोर दिया।प्रेरणा ने धार्मिक एकता के सम्बन्ध में बापू के विचारों से छात्रों को अवगत कराया "प्रसिद्ध समाजसेवी एवं राष्ट्रीय सेवा दल से सम्बद्ध अनूप कुमार पाण्डेय ने सत्य, अहिंसा और प्रेम को जीवन का आदर्श बताते हुए युवा वर्ग को गाँवों की तरफ जाकर गरीबों से मिलने और उनकी मदद करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में डॉ. सुनीता मिश्रा, डॉ.उर्मिला सिंह और डॉ.प्रशांत देशपांडे आदि विद्वान सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।गाँधी अध्ययन केंद्र की निदेशक डॉ. अर्चना सिंह ने केंद्र की वार्षिक गतिविधियों से सबको परिचित कराया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने इस कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया "समापन सत्र रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ "डॉ. दुबे ने गांधी के विचारों को हर युग के लिए प्रासंगिक बताया। इस कार्यशाला में बी. एम. रुइया महिला महाविद्यालय, ग्रांट रोड, एम.एम. पी. शाह महाविद्यालय, माटुंगा, के ई एस श्रोफ कॉलेज, कांदीवली, सोमैया कॉलेज, मुंबई आदि अनेक शिक्षण संस्थानों के छात्रों एवं प्राध्यापकों की विशेष सहभागिता रही।यह आयोजन डॉ. धीरज शेखावत, प्रा. अनिल तिवारी, डॉ. वृन्दा निशानदार, डॉ. नारायण तोटेवाड, डॉ. दिनेश वानुले और प्रा. गणेश कुमावत, अखिलेश जैसल आदि के अथक प्रयास से संपन्न हुआ।

@dainikpahla samachar | dainikpahlasamachar@Gmail.com | FB/dainikpahlasamachar | WWW.dainikpahlasamachar.com

आज का बजट
सोना (१० ग्राम) 50,620
चांदी (१ किलो) 56400.00
सेंसेक्स 56,409.96
निफ्टी 16,818.10

दैनिक पहला समाचार

DPS

देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार

संपादक : भास्कर तिवारी

RNI No. MAHHIN/2010/34776

एक कदम निष्पक्षता की ओर

वर्ष : ११ | अंक : ७२ | मुंबई, बुधवार १२ अक्तूबर २०२२ | पृष्ठ : ६ | मूल्य : ३

बिड़ला महाविद्यालय में गाँधी विचारों पर कार्यशाला आयोजित

कल्याण। कल्याण स्थित बी.के. बिड़ला महाविद्यालय के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित गाँधी अध्ययन केंद्र द्वारा 'व्यवहार में बापू' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री महादेव विद्रोही, अध्यक्ष, सर्व सेवा संघ, साबरमती, अहमदाबाद एवं सुश्री इन्दवी ताई तुलतुले, मुरबाड जैसे समाजसेवी उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बापू के सिद्धांतों को आज के परिवेश में शान्ति की स्थापना के लिए आवश्यक बताया। मुख्य अतिथि महादेव 'विद्रोही' ने स्वतंत्र भारत में आर्थिक विकास

में बढ़ती असमानता पर चिंता व्यक्त किया और भौतिक संसाधनों के नियन्त्रण पर जोर दिया। पिछले चार दशकों से आदिवासी क्षेत्रों में समर्पित भाव से जन सेवा कर रहीं सुश्री इदवी तुलतुले ने महात्मा गांधी के जीवन की सादगी, ईमानदारी और निडरता की चर्चा करते हुए इसे युवा पीढ़ी को अपनाने की सलाह दी। प्रो. हूबनाथ पाण्डेय ने जिन्दगी में बापू के सिद्धांतों को अपनाने पर जोर दिया। सुश्री प्रेरणा ने धार्मिक एकता के सम्बन्ध में बापू के विचारों से छात्रों को अवगत कराया। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं राष्ट्रीय सेवादल से सम्बद्ध अनूप कुमार पाण्डेय ने सत्य, अहिंसा और प्रेम को जीवन का आदर्श बताते हुए युवा वर्ग को गाँवों की तरफ जाकर गरीबों से मिलने और उनकी मदद करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में डॉ. सुनीता मिश्रा, डॉ.उर्मिला सिंह और डॉ.प्रशांत देशपांडे आदि विद्वान सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

गाँधी अध्ययन केंद्र की निदेशक डॉ. अर्चना सिंह ने केंद्र की वार्षिक गतिविधियों से सबको परिचित कराया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने इस कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।समापन सत्र रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। डॉ. दुबे ने गांधी के विचारों को हर युग के लिए प्रासंगिक बताया। इस कार्यशाला में बी.एम.रुइया महिला महाविद्यालय, ग्रांट रोड, एम.एम. पी. शाह महाविद्यालय, माटुंगा, के ई एस श्रोफ कॉलेज, कांदीवली, सोमैया कॉलेज, मुंबई आदि अनेक शिक्षण संस्थानों के छात्रों एवं प्राध्यापकों की विशेष सहभागिता रही।

भारत संवाद
...क्रांतिबीज
मुंबई और प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
www.bharatsamvad.in

बिड़ला महाविद्यालय में रक्तदान शिविर संपन्न

महेश द्विवेदी

कल्याण,कल्याण बी.के बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के एन सी सी तथा एन एस एस यूनिट और ब्लड बैंक नायर हास्पीटल, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया लोगों की जीवन रक्षा के प्रति युवा पीढी को जागरूक करते हुए और रक्तदान के महत्त्व से सामान्य जन को अवगत कराने के लिए इस रक्तदान किया गया था।महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए रक्तदान को श्रेष्ठ दान बताया।प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील के प्रयतनें से आयोजित इस शिविर में कुल 127 छात्रों ने रक्तदान किया। रक्तदान हेतु छात्रों को प्रेरित करने का विशेष कार्य रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य और एन. सी सी अधिकारी, श्यामसुंदर पांडेय ,डॉ. हरीश दुबे, ले. डॉ. के. एच. नागरे, कैप्टन डॉ. सुवर्ण जाधव, ले. प्रकाश संसारे, डॉ. भारत बागुल के साथ- साथ एन एस एस अधिकारी डॉ. सन्देश जायभाय, डॉ. सोनाली पाटील, और डॉ. मेघा देवले जैसे प्राध्यापकों ने किया। इस आयोजन में महाविद्यालय के लगभग सभी संकायों के छात्रों की व्यापक सहभागिता रही मानव सेवा के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में नायर अस्पताल के कर्मचारियों एवं चिकित्सकों की भूमिका रही। ज्ञातव्य हो कि बिड़ला महाविद्यालय का एन सी सी यूनिट महाराष्ट्र का एक प्रमिख यूनिट है और ऐसे आयोजन यहाँ सदैव होते रहते हैं। कार्यक्रम सफलतम रहा।

टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया पर दर्ज की तीसरी सबसे बड़ी टेस्ट जीत

पेज 11

जागरूक टाइम्स

मुंबई, सिरोही, जयपुर से प्रकाशित

www.jagruktimes.co.in

▸ वर्ष-19 ▸ अंक-198 मुंबई, रविवार 12 फरवरी 2023 ▸ मुंबई ▸ पृष्ठ 12 ▸ मूल्य ₹4

श्रीदेवी के 'चांदनी लुक' की याद दिलाएंगी आलिया भट्ट

पेज 11

बिड़ला महाविद्यालय में 'शिव रायांगण' प्रदर्शनी का समापन

■ जागरूक टाइम्स संवाददाता

कल्याण। कल्याण स्थित बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में शिवाजी महाराज युगीन एवं पेशवा युगीन परिवेश से लोगों को अवगत कराने के लिए 'शिव रायांगण' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में इतिहास विभाग के छात्रों द्वारा उक्त दोनों कालों के पोशाक, खाद्य पदार्थ, हाथियार और तत्कालीन शासन एवं सुरक्षा व्यवस्था का परिचय कराने वाले तमाम उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। प्रदर्शनी में लगे चित्रों और मूर्तियों को देख कर इतिहास वर्णित वातावरण स्वतः उपस्थित हो रहा था। इस प्रदर्शनी में शिवाजी के 'अष्ट प्रधान मंडल' से संबंधित प्रदर्शनी लोगों को विशेष आकर्षित कर रही थी। शिवाजी और पेशवा काल के जीवन की तमाम घटनाओं का परिचय कराती यह प्रदर्शनी अपने समय का यथार्थ प्रस्तुत कर रही थी। प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय के निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, सुबोध दवे और डॉ. अविनाश पाटील की उपस्थिति में संपन्न हुआ। डॉ. सुवर्णा जाधव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

@dainikpahla samachar | dailnikpahlasamachar@gmail.com | FB/dainikpahlasamachar | www.dainikpahlasamachar.com
RNI No. MAHHIN/2010/34776

आज का भाव

DPS दैनिक पहला समाचार
देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार
संपादक : भास्कर तिवारी
एक कदम निष्पक्षता की ओर

वर्ष : ११ | अंक : २११ | मुंबई, बुधवार दि. २१ जून २०२३ | पृष्ठ : ४ | मूल्य : ३

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की मासिक बैठक एवं काव्य गोष्ठी संपन्न

महेश द्विवेदी

कल्याण। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् (कल्याण इकाई) द्वारा काव्यगोष्ठी एवं मासिक बैठक का आयोजन किया गया। दो सत्रों में विभाजित इस कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती की प्रार्थना के साथ हुआ। प्रथम सत्र में डॉ. प्रकाश

पाटील ने अंगरेजी के प्रसिद्ध विद्वान सेक्सपियर और मराठी संत परम्परा के शिरोमणि संत तुकाराम के साहित्य एवं जीवन पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने दोनों रचनाकारों के जीवन से सम्बद्ध अनेक नये पक्षों को उद्धृत किया और दोनों रचनकारों को समाज का पथ प्रदर्शक बताया। उनके अनुसार इन दोनों महापुरुषों के साहित्य की प्रासंगिकता युगों-युगों तक बनी रहेगी। दूसरे सत्र में आठ कवियों द्वारा काव्यपाठ किया गया। सौ. संजीवनी जगताप, सौ. दया धोंगे, अरविन्द बुधकर, संजय द्विवेदी, रामस्वरूप साहू, रमेश आदगड, व्यंग्यकार सत्यदेव विजय और सौ. प्राजक्ता कुलकर्णी द्वारा विविध विषयों पर कविताओं एवं गीतों की मार्मिक प्रस्तुति की गई। कुछ कवियों ने मौसम को ध्यान में रखते हुए बरसात को केंद्र में रखकर अपनी कवितायें प्रस्तुत कीं तो कुछ कविताओं के केंद्र में वर्तमान की राजनीति और राजनेता रहे। अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कल्याण इकाई के अध्यक्ष डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया और सचिव सौ. प्राजक्ता कुलकर्णी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम के बाद सदस्यों की बैठक हुई जिसमने इस वर्ष आयोजित होने वाले भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया।

जागरूक टाइम्स
www.jagruktimes.co.in
मुंबई, सिरोही, जयपुर से प्रकाशित
वर्ष-19 ▸ अंक-326 ▸ मुंबई, बुधवार 21 जून 2023 ▸ मुंबई ▸ पृष्ठ 12 ▸ मूल्य ₹4

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की मासिक बैठक एवं काव्य गोष्ठी संपन्न

समाज के पथ प्रदर्शक संत तुकाराम और शेक्सपियर

जागरूक टाइम्स संवाददाता

कल्याण। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् (कल्याण इकाई) द्वारा काव्य गोष्ठी एवं मासिक बैठक का आयोजन किया गया। दो सत्रों में विभाजित इस कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रार्थना के साथ हुआ। प्रथम सत्र में डा. प्रकाश पाटील ने अंगरेजी के प्रसिद्ध विद्वान सेक्शपियर और मराठी संत परम्परा के शिरोमणि संत तुकाराम के साहित्य एवं जीवन पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने दोनों रचनाकारों के जीवन से सम्बद्ध अनेक नए पक्षों को उद्धृत किया और दोनों रचनकारों को समाज का पथ प्रदर्शक बताया। उनके अनुसार इन दोनों महापुरुषों के साहित्य की प्रासंगिकता युगों-युगों तक बनी रहेगी। दूसरे सत्र में आठ कवियों द्वारा काव्यपाठ किया गया। सौ. संजीवनी जगताप, सौ. दया धोंगे, अरविन्द बुधकर, संजय द्विवेदी, रामस्वरूप साहू, रमेश आदगड, व्यंग्यकार सत्यदेव विजय और प्राजक्ता कुलकर्णी द्वारा विविध विषयों पर कविताओं एवं गीतों की मार्मिक प्रस्तुति की गई। कुछ कवियों ने मौसम को ध्यान में रखते हुए बरसात को केंद्र में रखकर अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कल्याण इकाई के अध्यक्ष डा. श्यामसुंदर पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया और सचिव प्राजक्ता कुलकर्णी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

@dainikpahla samachar | dailnikpahlasamachar@gmail.com | FB/dainikpahlasamachar | www.dainikpahlasamachar.com
RNI No. MAHHIN/2010/3477

आज का भाव
सोना (१० ग्राम)
चांदी (१ किलो)
सेंसेक्स
निफ्टी

DPS देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार
दैनिक पहला समाचार
संपादक : भास्कर तिवारी
एक कदम निष्पक्षता की ओर

वर्ष : ११ | अंक : २१० | मुंबई, सोमवार दि. १२ जुन २०२३ | पृष्ठ : ४ | मूल्य : ३

बी. के. बिकड़ला महाविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

पहला समाचार संवाददाता

कल्याण, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा युवा पीढी में जी 20 के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने की दृष्टि से उस्किल काउंसिल एमईपीएससी के सहयोग से विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में वी आई पी क्लोथिंग लिमिटेड के व्यवस्थापकीय संचालक एवं प्रख्यात उद्योग वक्ता सुनील पठारे उपस्थित थे। अपने वक्तव्य में पठारे ने भारत द्वारा जी - 20 की मेजबानी को देश की एक बड़ी उपलब्ध बताई। उनके अनुसार यह आयोजन भारत की युवा पीढी के लिए वैश्विक स्तर पर उद्यमिता को ब. ढावा देने वाला और रोजगार के व्यापक अवसर प्रदान करने वाला बताया। विश्व के तमाम देशों के साथ भारत का कारोबार बढेगा और यह सब हमारे नई पीढी के लिए सुखद भविष्य का एक संकेतक है। उन्होंने आज के गतिशील कॉर्पोरेट

जगत की उद्यमिता के क्षेत्र की चुनौतियों और अवसरों के बारे में भी छात्रों का विशेष मार्गदर्शन किया और इस क्षेत्र से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस सत्र का आयोजन महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चंद्र के मार्गदर्शन में प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रयासों से संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटिल ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और छात्रों को अपने समय के प्रति सदैव सचेत बने रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस व्याख्यान में एक सौ पचास से अधिक छात्रों और प्राध्यापकों की सहभागिता रही।

दैनिक यशोभूमि

18 नवंबर से बिड़ला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार

कल्याण (प्रतिनिधि), केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा एवं बी. के. बिड़ला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 18 एवं 19 नवंबर 2022 को कल्याण के बिड़ला महाविद्यालय में 21वीं सदी में आदिवासी एवं दलितों के साहित्य में दिशा एवं दशा विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के संयोजक डा. श्यामसुंदर पांडे ने बताया कि इस परिसंवाद में आदिवासी साहित्य के विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। बता दें कि वर्ष 1972 में बसंतकुमार बिड़ला एवं स्व. श्रीमती सरला बिड़ला की प्रेरणा से इस महाविद्यालय की स्थापना हुई थी। आज इस महाविद्यालय में 14 हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक डा. श्यामसुंदर पांडे ने बताया कि पिछले साल महाविद्यालय ने अपनी स्थापना के 50 साल पूर्ण किए हैं।

Yeshobhumi Edition
Nov 13, 2022 Page No. 2
Powered by : eReleGo.com

रणबीर कपूर को बताया सफेद चूहा
—पेज 11—

जागरूक टाइम्स

मुंबई, सिरोही, जयपुर से प्रकाशित

सुखोई ने प. बंगाल के हसीमरा एयरबेस से भरी थी उड़ान

www.jagruktimes.co.in ₹4

▸ वर्ष-19 ▸ अंक-316 ▸ मुंबई, रविवार 11 जून 2023 ▸ मुंबई ▸ पृष्ठ 12 ▸ मूल्य

जी-20 की मेजबानी देश की एक बड़ी उपलब्ध

▸▸ बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में जागरुकता व्याख्यान

▸▸ व्याख्यान का आयोजन 15 जून तक

जागरूक टाइम्स संवाददाता

कल्याण। कल्याण में बी.के. बिड़ला महाविद्यालय, द्वारा युवा पीढ़ी में जी-20 के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने की दृष्टि से 'स्किल काउंसिल एमईपीएससी' के सहयोग से विशेष व्यख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में वीआईपी क्लोथिंग लिमिटेड के व्यवस्थापकीय संचालक एवं प्रख्यात उद्योग वक्ता सुनील पठारे उपस्थित थे। इस व्याख्यान का आयोजन एक से पंद्रह जून के बीच प्रधानमंत्री जी-20 में 'जन भागीदारी पहल' के अंतर्गत किया गया। अपने वक्तव्य में पठारे ने भारत द्वारा जी-20 की मेजबानी को देश की एक बड़ी उपलब्ध बताई। उनके अनुसार यह आयोजन भारत की युवा पीढी के लिए वैश्विक स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला और रोजगार के व्यापक अवसर प्रदान करने वाला बताया। उनका कहना था कि आज की युवा पीढ़ी को इस अवसर का दीर्घ लाभ मिलेगा और दुनिया में भारत की साख बढ़ेगी। विश्व के तमाम दशों के साथ भारत का कारोबार बढ़ेगा और यह सब हमारे नई पीढ़ी के लिए सुखद भविष्य का एक संकेतक है। उन्होंने आज के गतिशील कॉर्पोरेट जगत की उद्यमिता के क्षेत्र की चुनौतियों और अवसरों के बारे में भी छात्रों का विशेष मार्गदर्शन किया और इस क्षेत्र से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस सत्र का आयोजन महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डा.नरेश चंद्र के मार्गदर्शन में प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रयासों से संपन्न हुआ। प्राचार्य डा.अविनाश पाटिल ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और छात्रों को अपने समय के प्रति सदैव सचेत बने रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस व्याख्यान में एक सौ पचास से अधिक छात्रों और प्राध्यापकों की सहभागिता रही।

NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 31 ■ अंक 348 ■ मुंबई, शुक्रवार 30 जून 2023 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

आषाढ़ी एकादशी पर विट्ठलमय हुआ कल्याण

महानगर संवाददाता

कल्याण

आषाढी एकादशी के अवसर पर सेंचुरी रेयान,बी.के. बिडला महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला रात्रिकालीन महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला पब्लिक स्कूल और सेंचुरी रेयान हाईस्कूल द्वारा ज्ञान दिंडी का भव्य आयोजन किया गया। प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ-साथ श्री विठोवा– रुक्मिणी जी की भक्ति पर आधारित यह यात्रा बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के प्रांगण (जिसमे लगभग सात हजार लोगों का समावेश रहा) से प्रारंभ होकर शहाड स्थित विट्ठल मंदिर तक आयोजित की गई। इस यात्रा में भगवान विट्ठल के भक्तों की व्यापक उपस्थिति से सम्पूर्ण वातावरण विट्ठलमय हो उठा। इस

पावन अवसर पर दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कल्याण, नरेन्द्र पवार, गणपत गायकवाड़, प्रमोद हिन्दूराव, कुमार आयलानी, महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओ.आर. चितलांगे,उपाध्यक्ष सुबोध दवे, शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील और सेंचुरी रेयोन के यूनिट हेड दिग्विजय पाण्डेय आदि गणमान्यों द्वारा भगवान विट्ठल के पालकी की पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का प्रारंभ हुआ। इस यात्रा में रथ पर विराजमान विट्ठल और रुक्मिणी के साथ सजी हुई पालकी,ढोल पथक,अनेक शिक्षण संस्थानों के लेजिम पथक, एम पावर और योग पथक आदि की झांकियां लोगों को विशेष आकर्षित कर रही थीं। हजारों भक्तों की भजन मंडली वारकरी कीर्तन की धुन पर थिरकते हुए आगे बढ़ रही थी। इस यात्रा में आस-पास के शिक्षण संस्थानों एवं समाजसेवी संस्थाओं के अतिरिक्त स्थानीय हजारों वारकरी भक्तों की भी सहभागिता रही। शहाड स्थित श्री बिठोवा मंदिर में इस आषाड़ी एकादशी के अवसर पर प्रातः काल में थाने के जिलाधिकारी अशोक शिंगारे और उनकी धर्मपत्नी स्मिता सिंगारे द्वारा महापूजा की गई।

सेमीफाइनल में लेबनान से भिड़ेगा भारत — पेज 11

जागरूक टाइम्स

मुंबई, सिरोही, जयपुर से प्रकाशित | www.jagruktimes.co.in | ₹4

▸ वर्ष-19 ▸ अंक-335 ▸ मुंबई, शुक्रवार 30 जून 2023 ▸ मुंबई ▸ पृष्ठ 12 ▸ मूल्य

जैकलीन संग मस्ती के मूड में सोनू — पेज 11

आषाढ़ी एकादशी पर विट्ठलमय हुआ कल्याण

■ **जागरूक टाइम्स संवाददाता**

कल्याण। आषाढी एकादसी के अवसर पर सेंचुरी रेयान, बी.के. बिडला महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला रात्रिकालीन महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला पब्लिक स्कूल और सेंचुरी रेयान हाई स्कूल द्वारा ज्ञान दिंडी का भव्य आयोजन किया गया। प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ-साथ श्री विठोवा-रुक्मिणी की भक्ति पर आधारित यह यात्रा बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के प्रांगण (जिसमे लगभग सात हजार लोगों का समावेश रहा) से प्रारंभ होकर शहाड स्थित विट्ठल मंदिर तक आयोजित की गई। इस यात्रा में भगवान विट्ठल के भक्तों की व्यापक उपस्थिति से सम्पूर्ण वातावरण विट्ठलमय हो उठा। सम्माननीय अतिथि दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कल्याण, नरेन्द्र पवार, गणपत गायकवाड़, प्रमोद हिन्दूराव, कुमार आयलानी, महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओ.आर. चितलांगे, उपाध्यक्ष सुबोध दवे, शिक्षा निदेशक डा. नरेश चन्द्र, प्राचार्य डा. अविनाश पाटील और सेंचुरी रेयोन के यूनिट हेड दिग्विजय पाण्डेय आदि गणमान्यों द्वारा भगवान विट्ठल के पालकी की पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का प्रारंभ हुआ। इस यात्रा में रथ पर विराजमान विट्ठल और रुक्मिणी के साथ सजी हुई पालकी, ढोल पथक, अनेक शिक्षण संस्थानों के लेज़िम पथक, एम पावर और योग पथक आदि की झाँकियाँ लोगों को विशेष आकर्षित कर रही थीं। हजारों भक्तों की भजन मंडली वारकरी कीर्तन की धुन पर थिरकते हुए आगे बढ़ रही थी । इस यात्रा में आस-पास के शिक्षण संस्थानों एवं समाजसेवी संस्थाओं के अतिरिक्त स्थानीय हजारों वारकरी भक्तों की भी सहभागिता रही । शहाड स्थित श्री बिठोवा मंदिर में इस

आषाढी एकादसी के अवसर पर प्रातः काल में थाने के जिलाधिकारी अशोक शिंगारे और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती स्मिता सिंगारे द्वारा महापूजा की गई । यह दिंडी यात्रा सेंचुरी रियोंन के सी.ई.ओ. ओ.आर. चितलांगे के मार्गदर्शन में वर्ष 2016 से आयोजित की जा रही है । 2019,2020 और 2021 में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के कारण यह आयोजन संभव नहीं हो सका। यात्रा का समापन शहाड स्थित विट्ठल मंदिर में भगवान विट्ठल की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यह आयोजन डा. हरीश दूबे, डा. संजय, डा. विपिन वाडेकर, डा. महादेव यादव, डा. मनिंदर कौर आदि प्राध्यापकों और एनसीसी , एनएसएस आदि छात्रों के अथक प्रयास से संपन्न हुआ विशेष रूप से श्याम सुंदर पांडेय उपस्थित रहे।

आषाढी एकादशी पर विट्ठलमय हुआ कल्याण

पहला समाचार संवाददाता

कल्याण। आषाढी एकादशी के अवसर पर सेंचुरी रेयान, बी.के. बिडला महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला रात्रिकालीन महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला पब्लिक स्कूल और सेंचुरी रेयान हाई स्कूल द्वारा ज्ञान दिंडी का भव्य आयोजन किया गया। प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ-साथ श्री विठोवा रुक्मिणी जी की भक्ति पर आधारित यह यात्रा बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के प्रांगण (जिसमे लगभग सात हजार लोगों का समावेश रहा) से प्रारंभ होकर शहाड स्थित विट्ठल मंदिर तक आयोजित की गई। इस यात्रा में भगवान विट्ठल के भक्तों की व्यापक उपस्थिति से सम्पूर्ण वातावरण विट्ठलमय हो उठा। सम्माननीय अतिथि दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कल्याण, नरेन्द्र पवार, गणपत गायकवाड़, प्रमोद हिन्दूराव, कुमार आयलानी, महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओ.आर. चितलांगे, उपाध्यक्ष सुबोध दवे, शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील और सेंचुरी रेयोन के यूनिट हेड दिग्विजय पाण्डेय आदि गणमान्यों द्वारा भगवान विट्ठल के पालकी की पूजा - अर्चना के साथ यात्रा का प्रारंभ हुआ। इस यात्रा में रथ पर विराजमान विट्ठल और रुक्मिणी के साथ सजी हुई पालकी, ढोल पथक, अनेक शिक्षण संस्थानों के लेज़िम पथक, एम पावर और योग पथक आदि की झाँकियाँ लोगों को विशेष आकर्षित कर रही थीं। हजारों भक्तों की भजन मंडली वारकरी कीर्तन की धुन पर थिरकते हुए आगे बढ़ रही थी। इस यात्रा में आस-पास के शिक्षण संस्थानों एवं समाजसेवी संस्थाओं के अतिरिक्त स्थानीय हजारों वारकरी भक्तों की भी सहभागिता रही। शहाड स्थित श्री बिठोवा मंदिर में इस आषाढी एकादसी के अवसर पर प्रातः काल में थाने के जिलाधिकारी अशोक शिंगारे और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती स्मिता सिंगारे द्वारा महापूजा की गई। ज्ञातव्य हो कि यह दिंडी यात्रा सेंचुरी रियोन के सी.ई.ओ.ओ.आर. चितलांगे के मार्गदर्शन में वर्ष 2016 से आयोजित की जा रही है। 2019, 2020 और 2021 में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के कारण यह आयोजन संभव नहीं हो सका। यात्रा का समापन शहाड स्थित विट्ठल मंदिर में भगवान विट्ठल की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यह आयोजन डॉ हरीश दुबे, डॉ संजय, डॉ विपिन वाडेकर, डॉ महादेव यादव, डॉ मनिंदर कौर आदि प्राध्यापकों और एन सी सी, एन एस एस आदि छात्रों के अथक प्रयास से सम्पन्न हुआ। जिसमें विशेष रूप से श्याम सुंदर पांडेय उपस्थित रहे।

आषाढी एकादसी पर विट्ठलमय हुआ कल्याण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कल्याण। कल्याण, आषाढी एकादसी के अवसर पर सेंचुरी रेयान, बी.के. बिडला महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला रात्रिकालीन महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला पब्लिक स्कूल और सेंचुरी रेयान हाई स्कूल द्वारा ज्ञान दिंडी का भव्य आयोजन किया गया। प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ-साथ श्री विठोवा - रुक्मिणी जी की भक्ति पर आधारित यह यात्रा बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के प्रांगण (जिसमे लगभग सात हजार लोगों का समावेश रहा) से प्रारंभ होकर शहाड स्थित विट्ठल मंदिर तक आयोजित की गई। इस यात्रा में भगवान विट्ठल के भक्तों की व्यापक उपस्थिति से सम्पूर्ण वातावरण विट्ठलमय हो उठा। सम्माननीय अतिथि दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कल्याण, नरेन्द्र पवार, गणपत गायकवाड़, प्रमोद हिन्दूराव, कुमार आयलानी, महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओ.आर. चितलांगे, उपाध्यक्ष सुबोध दवे, शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील और सेंचुरी रेयोन के यूनिट हेड दिग्विजय पाण्डेय आदि गणमान्यों द्वारा भगवान विट्ठल के पालकी की पूजा - अर्चना के साथ यात्रा का प्रारंभ हुआ। इस यात्रा में रथ पर विराजमान विट्ठल और रुक्मिणी के साथ सजी हुई पालकी, ढोल पथक, अनेक शिक्षण संस्थानों के लेज़िम पथक, एम पावर और योग पथक आदि की झाँकियाँ लोगों को विशेष आकर्षित कर रही थीं। हजारों भक्तों की भजन मंडली वारकरी कीर्तन की धुन पर थिरकते हुए आगे बढ़ रही थी। इस यात्रा में आस-पास के शिक्षण संस्थानों एवं समाजसेवी संस्थाओं के अतिरिक्त स्थानीय हजारों वारकरी भक्तों की भी सहभागिता रही। शहाड स्थित श्री बिठोवा मंदिर में इस आषाढी एकादसी के अवसर पर प्रातः काल में थाने के जिलाधिकारी अशोक शिंगारे और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती स्मिता सिंगारे द्वारा महापूजा की गई। ज्ञातव्य हो कि यह दिंडी यात्रा सेंचुरी रियोन के सी. ई. ओ. ओ.आर. चितलांगे के मार्गदर्शन में वर्ष 2016 से आयोजित की जा रही है।

दैनिक
यशोभूमि

आषाढ़ी अमावस्या पर दीपोत्सव और कवि सम्मेलन

कल्याण (प्रति), अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की कल्याण इकाई के तत्वावधान में आषाढ़ी अमावस्या पर दीप प्रज्ज्वलन कर लोक कल्याण की कामना की गई इस अवसर पर उपस्थित मराठी एवं हिन्दी के एक दर्ज़न से अधिक कवियों ने मराठी और हिन्दी में प्रस्तुत अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कल्याण के नमस्कार मंडल सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में दोनों भाषा के कवियों ने ज्ञान के प्रतीक दीपक पर केन्द्रित स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की। मराठी के वरिष्ठ रचनाकार जनार्दन ओक, प्रवीण

देशमुख, ज्योत्सना करमरकर, अरविन्द बुधकर, सुनील म्हसकर, प्रो. प्रकाश पाटील, प्रा. स्वाती नातू, मंजरी पैठणकर और ज्योति वैद्य शेटे द्वारा प्रभावपूर्ण और शिक्षाप्रद कवितायें प्रस्तुत की गईं। वहीं हिन्दी के वरिष्ठ कवि मदन उपाध्याय, संजय द्विवेदी और मदन गुप्ता ने प्रेरणास्पद कविताएं प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दिनेशप्रताप सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय साहित्य परिषद उपस्थित थे।

Yeshobhumi Edition
Jul 18, 2023 Page No. 2
Powered by : eReleGo.com

जागरूक टाइम्स
मुंबई, सिरोही, जयपुर से प्रकाशित
www.jagruktimes.co.in ₹4
वर्ष-19 अंक-353 मुंबई, मंगलवार 18 जुलाई 2023 मुंबई पृष्ठ 12 मूल्य

आषाढ़ी अमावस पर दीपोत्सव एवं कवि सम्मलेन आयोजित

जागरूक टाइम्स संवाददाता

कल्याण। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की कल्याण इकाई द्वारा आसाढी अमावस के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन कर लोक कल्याण की कामना की गई। इस अवसर पर उपस्थित मराठी एवं हिन्दी के एक दर्जन से अधिक कवियों ने मराठी और हिन्दी में प्रस्तुत अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। नमस्कार मंडल, कल्याण के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में दोनों भाषा के कवियों ने ज्ञान के प्रतीक दीपक पर केन्द्रित स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की। इन कविताओं में भारतीय संस्कृति में दीपक की उपयोगिता को विविध रूपों में महत्त्वपूर्ण बताया गया। कुछ कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से धरती से अन्धकार दूर करने और मानव मन को प्रकाशित करने की प्रार्थना ईश्वर से की। मराठी के वरिष्ठ रचनाकार जनार्दन ओक, प्रवीण देशमुख, ज्योत्सना करमरकर, अरविन्द बुधकर, सुनील म्हसकर, प्रो. प्रकाश पाटील, प्रो. स्वाति नातू, सुश्री मंजरी पैठणकर और ज्योति वैद्य शेटे द्वारा प्रभावपूर्ण और शिक्षाप्रद कवितायें प्रस्तुत की गईं। वहीं हिन्दी के वरिष्ठ कवि मदन उपाध्याय, संजय द्विवेदी और मदन गुप्ता द्वारा प्रेरणास्पद कविताएं प्रस्तुत की गईं। कुछ विद्वानों द्वारा 'गटारी' जैसे कार्यों के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त की गई तो कुछ वक्ताओं द्वारा दीपक को धैर्य का प्रतीक बताते हुए सम्पूर्ण समाज से अन्धकार को दूर करने में सक्षम बताया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में डा. दिनेश प्रताप सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय साहित्य परिषद् उपस्थित थे। कल्याण इकाई की सचिव सुश्री प्राजक्ता कुलकर्णी ने कार्यक्रम का संचालन किया और अध्यक्ष, डा. श्याम सुंदर पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हमारा महानगर
वर्ष 32 ■ अंक 24 ■ मुंबई, गुरुवार 10 अगस्त 2023 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹5.00
https://www.hamaramahanagar.net
RNI NO.: 54818/92 REG. NO.-MH/MR/North East/317/2014-16

बिड़ला कॉलेज ने निकाली वृक्ष दिंडी यात्रा

कल्याण। बीके बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा वृक्षारोपण और वृक्ष संरक्षण के प्रति जागरुकता हेतु वृक्ष दिंडी यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का प्रारंभ मुख्य अतिथि डॉ. भाऊसाहेब दनगड़े, आयुक्त, कल्याण-डोम्बीवली महानगरपालिका, जोन तीन के डीसीपी सचिन गुंजाल, महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ। वृक्ष संरक्षण से सम्बन्धित नारे लगाते हुए, हाथों में बैनर और कार्ड लिए एक हजार से अधिक विद्यार्थियों ने बिड़ला महाविद्यालय से कल्याण डोम्बीवली

महानगर पालिका मुख्यालय तक की यात्रा पूरी की। ज्ञातव्य हो कि महाविद्यालय द्वारा यह यात्रा पिछले लगभग तीस वर्षों से आयोजित की जा रही है। इस यात्रा में अनेक प्रकृति प्रेमी संस्थाओं एवं शिक्षण संस्थाओं की सहभागिता रहती है। महाविद्यालय की प्रबंधन समिति ऐसे कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहती है और डॉ. नरेशचन्द्र के मार्गदर्शन में यह यात्रा हर वर्ष संपन्न होती है। कार्यक्रम की समाप्ति पर इस दिंडी यात्रा की आयोजक डॉ. सुवर्णा जाधव ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया। रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, उप प्राचार्य डॉ. बिपिन चन्द्र वाडेकर, डॉ. महादेव यादव सहित एन एस एस एवं एन सी सी के अधिकारियों एवं छात्रों की विशेष उपस्थिति रही। डॉ. मेघा देवले, डॉ. ग्रीष्म खोब्रागडे, डॉ. वृंदा निशानदार, प्रकाश संसारे आदि प्राध्यापकों के विशेष सहयोग से यह आयोजन संपन्न हुआ।

मुंबई हिंदमाता टाइम्स
आवश्यकता है
मुंबई जिले हेतु संवाददाता, अंशकालिक / स्वतंत्र पत्रकार, फोटोग्राफर एवं इंटर्नशिप कैंडिडेट की। संपर्क करें
9867 314 765

MHT
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
मुंबई हिंदमाता टाइम्स
मुंबई, गुरुवार 14 सितंबर 2023
RNI No. MAHHIN/2006/20347 | संपादक: विजय आर. तिवारी | E-mail: mumbaihindmatatimesnews@gmail.com | Website : www.mumbaihindmatatimes.com | वर्ष-18, अंक-234 | पृष्ठ-4 | मूल्य ₹5/-
आज का पंचांग | सूर्योदय / सूर्यास्त | आज का मौसम | तापमान | रोयर बाजार | सर्राफा बजार

मुंबई हिंदमाता टाइम्स
REQUIRMENT
Graphic / DTP Designer
Male / Female / In-Design Must
Receptionist
Female Only
Marketing Executive
Male / Female
Cell: 9867 314 765

बी. के. बिड़ला महाविद्यालय द्वारा आत्महत्या की रोकथाम पर जागरूकता हेतु आयोजन संपन्न

महेश द्विवेदी /मुंबई। कल्याण द्वारा युवा पीढी में बढ़ती आत्महत्याओं के प्रति रोकथाम के लिए जागरूकता के उद्देश्य से एक वृहत्त आयोजन किया गया। इस आयोजन में सात सौ से अधिक छात्रों की सहभागिता रही। यह सर्वविदित है कि तमाम सुख संसाधनों की सम्पन्नता के बाद भी आज एक बड़ा वर्ग निराशा के सागर में डूबता जा रहा है और आत्महत्याओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस प्रकार की जीवन की निराशा से मुक्ति और 'क्रिया के माध्यम से आशा का संचार' विषय पर यह आयोजन केन्द्रित था। महाविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग और रोट्रेक्ट क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम

का उदघाटन महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को सदा सकारात्मक सोच बनाये रखने की भावना पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने जीवन को अनमोल बताते हुए जीवन में आये संकटों का सामना साहस के साथ करने की बात कही।रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे ने भी छात्रों को जीवन की महत्ता के सम्बन्ध में बताया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण व्यापक संख्या में उपस्थित छात्रों का फ़्लैश मॉब प्रदर्शन था। जिसमें छात्रों द्वारा मानसिक दबावों को भी अपने सगे-सम्बन्धियों और मित्रों से साझा करने की बात पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण पर भी विद्वानों द्वारा चर्चा की गई और पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए विविध उपाय बताये गए। यह कार्यक्रम उप प्राचार्या इस्मिता गुप्ता, अनिल तिवारी, रेवती और आनंद धर्माधिकारी आदि प्राध्यापकों के विशेष सहयोग से संभव हो सका।

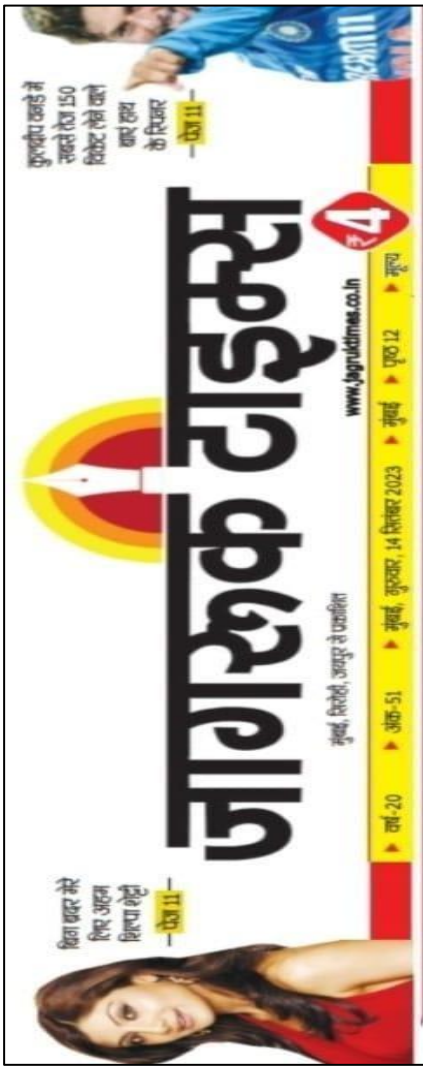

आत्महत्या की रोकथाम पर जागरुकता आयोजन संपन्न

कल्याण। कल्याण द्वारा युवा पीढी में बढ़ती आत्महत्याओं के प्रति रोकथाम के लिए जागरूकता के उद्देश्य से एक वृहत्त आयोजन किया गया। इस आयोजन में सात सौ से अधिक छात्रों की सहभागिता रही। यह सर्वविदित है कि तमाम सुख संसाधनों की संपन्नता के बाद भी आज एक बड़ा वर्ग निराशा के सागर में डूबता जा रहा है और आत्महत्याएं लगातार बढ़ रही है। इस प्रकार की जीवन की निराशा से मुक्ति और 'क्रिया के माध्यम से आशा का संचार' विषय पर यह आयोजन केन्द्रित था। महाविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग और रोट्रेक्ट क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उदघाटन महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डा. नरेश चन्द्र द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को सदा सकारात्मक सोच बनाये रखने की भावना पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने जीवन को अनमोल बताते हुए जीवन में आये संकटों का सामना साहस के साथ करने की बात कही। रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे ने भी छात्रों को जीवन की महत्ता के सम्बन्ध में बताया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण व्यापक संख्या में उपस्थित छात्रों का फ़्लैश मॉब प्रदर्शन था। जिसमें छात्रों द्वारा मानसिक दबावों को भी अपने सगे-सम्बन्धियों और मित्रों से साझा करने की बात पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण पर भी विद्वानों द्वारा चर्चा की गई और पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए विविध उपाय बताये गए ।

RNINO. MAHHIN/2010/34776

आज का भाव
सोना (10 ग्राम) रु. 60,330.00
चांदी (1 किलो) रु. 70,200.00
सेंसेक्स 67.519.99
निफ्टी 20.103.10

दैनिक DPS पहला समाचार

देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार

एक कदम निष्पक्षता की ओर

संपादक : भास्कर तिवारी

वर्ष : 12 | अंक : 04 | मुंबई, शुक्रवार, 15 सितम्बर 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 3

आत्महत्या की रोकथाम को लेकर जनजागरण कार्यक्रम आयोजित

महेश द्विवेदी

कल्याण। युवा पीढी में बढ़ती आत्महत्याओं के प्रति रोकथाम के लिए जागरूकता के उद्देश्य से एक वृहत्त आयोजन किया गया। इस आयोजन में सात सौ से अधिक छात्रों की सहभागिता रही। यह सर्वविदित है कि तमाम सुख संसाधनों की सम्पन्नता के बाद भी आज एक बड़ा वर्ग निराशा के सागर में डूबता जा रहा है और आत्महत्याओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

इस प्रकार की जीवन की निराशा से मुक्ति और क्रिया के माध्यम से आशा का संचार विषय पर यह आयोजन केन्द्रित था। महाविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग और रोट्रेक्ट क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उदघाटन महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को सदा सकारात्मक सोच बनाये रखने की भावना पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने जीवन को अनमोल बताते हुए जीवन में आये संकटों का सामना साहस के साथ करने की बात कही।

रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे ने भी छात्रों को जीवन की महत्ता के सम्बन्ध में बताया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण व्यापक संख्या में उपस्थित छात्रों का फ़्लैश मॉब प्रदर्शन था, जिसमें छात्रों द्वारा मानसिक दबावों को भी अपने सगे-सम्बन्धियों और मित्रों से साझा करने की बात पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण पर भी विद्वानों द्वारा चर्चा की गई और पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए विविध उपाय बताये गए। यह कार्यक्रम उप प्राचार्या इस्मिता गुप्ता, अनिल तिवारी, रेवती और आनंद धर्माधिकारी आदि प्राध्यापकों के विशेष सहयोग से संभव हो सका।

देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार
दैनिक पहला समाचार DPS
एक कदम निष्पक्षता की ओर
संपादक : भास्कर तिवारी
मुंबई, बुधवार, 08 नवम्बर 2023 | वर्ष : 12 | अंक : 48 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 3

आज का भाव	
सोना (10 ग्राम)	रु.62,715.00
चांदी (1 किलो)	रु.70,700.00
सेंसेक्स	64,942.40
निफ्टी	19,406.70

महर्षि वाल्मीकि के साहित्य और जीवन पर चर्चा संपन्न

पहला समाचार संवाददाता

कल्याण। अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कल्याण द्वारा नमस्कार मंडल के सभागार में रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के जीवन और साहित्य पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रामचंद्र साहू और चंद्रशेखर भारती द्वारा महर्षि वाल्मीकि के जीवन के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला गया। साहित्य परिषद् के कोंकण क्षेत्र के कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख ने वाल्मीकि के काव्य में सुभाषितानि पर विस्तार से अपनी बात रखी और उन्हें वर्तमान समाज के लिए आवश्यक बताया। मंत्री संजय द्विवेदी ने राम के आदर्शों को आज के परिवेश में प्रासंगिक बताते हुए वाल्मीकि की रचनाकारिता पर प्रकाश डाला। सुशीलकुमार पाण्डेय, राजेश व्यास, एवं मदन उपाध्याय द्वारा राम चरित को आधार बनाते हुए मार्मिक काव्य प्रस्तुति की गई। प्रो. प्रकाश पाटील द्वारा देश में वाल्मीकि के प्रमुख मंदिरों पर चर्चा की गई। सुभांगी भोसले, मनोहर मांडवले और मंगला कांगने ने वाल्मीकि के जीवन से सम्बन्धित कहानियों का वाचन किया। परिषद् की कल्याण इकाई के अध्यक्ष श्यामसुंदर पाण्डेय ने वाल्मीकि के साहित्य को भारतीय साहित्य और समाज के रीढ़ की हड्डी बताते हुए उसे हर देश, काल और वातावरण में उपयोगी और प्रेरक बताया। प्रवीण देशमुख ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस चर्चा सत्र की समाप्ति के बाद परिषद् की कल्याण इकाई द्वारा भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

बिर्ला कॉलेज चौथ्या क्रमांकावर

स्मिता चव्हाण, बी. के. बिर्ला कॉलेज

मुंबई विद्यापीठातर्फे २०१७-१८ शैक्षणिक वर्षाची क्रीडा विभागाची यादी नुकतीच जाहीर करण्यात आली. या यादीमध्ये कल्याणमधील बी. के. बिर्ला कॉलेजने चौथा क्रमांक पटकावला आहे. योग, कुस्ती, बॉक्सिंग, वेटलिफ्टिंग, तायक्वांदो, तलवारबाजी, जिम्नॅशियम, क्रॉस कंट्री, रायफल शूटिंग, फुटबॉल यांसारख्या अनेक मैदानी खेळांसोबत अनेक बैठ्या खेळांमध्येदेखील लक्षणीय कामगिरी करण्यात विद्यार्थ्यांना यश आले. आंतरमहाविद्यालयीन पुरुष सांघिक संघाला १३६ व महिलांच्या सांघिक संघाला ३४५ गुण तसेच पुरुष वैयक्तिक प्रकारात ५५ व महिला वैयक्तिक प्रकारात ७५ असे एकूण ६११ गुण कमावले आहेत. वैयक्तिक

कॉलेज कॅप्सूल

खेळ प्रकारातसुद्धा महिला गटाने ७५ तर पुरुष गटात ५५ अशी खेळी करत सर्वोच्च पदाचा मान मिळवला आहे. अनेक विद्यार्थ्यांनी सुवर्ण, रौप्य आणि कांस्य पदकांसह अनेक आंतरराष्ट्रीय स्पर्धांमध्ये कॉलेजच्या खेळाडूंनी भारताचे प्रतिनिधित्व केले आहे. नुकत्याच झालेल्या विद्यापीठस्तरावरील योग पुरुष व महिला संघांनी प्रथम क्रमांक तर कुस्ती व बॉक्सिंग यांसारख्या खेळातसुद्धा महिला संघाने लक्षणीय कामगिरी करत प्रथम क्रमांकाचे स्थान निश्चित केले. कॉलेजतर्फे अत्यंत योग्य कोचिंग, नित्य आहार, व्यायामाची साधने, सुसज्ज जीम, मार्गदर्शक, उपयुक्त साधने अशा सर्व सुविधा पुरवल्या जातात म्हणून हे यश मिळवणे शक्य झाले, असे मत खेळाडूंचे आहे. ज्या विद्यार्थ्यांना परदेशात जाऊन खेळण्याच्या संधी मिळतात, अशा विद्यार्थ्यांना आर्थिक मदत मिळवून दिली जाते. भारताला उत्तम खेळाडू मिळावेत, यासाठी कॉलेजचे संचालक डॉ. नरेश चंद्रा, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील, जिमखान्याचे प्रमुख डॉ. हरीश दुबे हे नेहमीच कार्यरत असतात.

लोकमत

बिर्ला महाविद्यालयास मिळाली स्वायत्तता

ओ. आर. चितलांगे : १० वर्षांसाठी दर्जा

लोकमत न्यूज नेटवर्क

कल्याण : दर्जेदार शिक्षण आणि चमकदार कामगिरीमुळे कल्याणच्या बी. के. बिर्ला महाविद्यालयाने शैक्षणिक क्षेत्रात 'स्वायत्त दर्जा' प्राप्त केला असल्याची माहिती बिर्ला महाविद्यालय व्यवस्थापन समितीचे अध्यक्ष ओ. आर. चितलांगे यांनी पत्रकार परिषदेत दिली. यापुढे विद्यापीठाचा दर्जा प्राप्त करण्याकरिता प्रयत्न करणार असल्याचे त्यांनी सांगितले.

विद्यापीठ अनुदान आयोग ज्या महाविद्यालयांना 'अ' दर्जा देतो, त्यांना स्वायत्तता दिली जाते. मुंबई विद्यापीठाच्या स्वायत्त महाविद्यालयांच्या यादीमध्ये आतापर्यंत केवळ १२ महाविद्यालयांचा समावेश असल्याची माहिती चितलांगे यांनी दिली.

चितलांगे म्हणाले की, विद्यापीठ अनुदान आयोग आणि मुंबई विद्यापीठातर्फे महाविद्यालयाला १० वर्षांसाठी स्वायत्त दर्जा देण्यात आला आहे. त्यामुळे आता कौशल्याधारित आणि रोजगाराभिमुख अभ्यासक्रम सुरु करण्याची मुभा प्राप्त झाली आहे. अभ्यासक्रमाची पुनर्रचना व नवनिर्मिती करण्याचा अधिकार, शिक्षकांच्या नेमणुका व परीक्षांचे निकाल वेळेवर लावण्याचे अधिकार महाविद्यालयाला प्राप्त झाले आहेत. मात्र, फी व प्रवेश प्रक्रिया शासनाच्या नियमानुसार राबवणे बंधनकारक आहे.

यावेळी सुबोध दवे, डॉ. अशोक प्रधान, डॉ. नरेशचंद्र, गीता उन्नीकृष्णन, डॉ. स्वप्ना समेळ, अविनाश पाटील आदी मान्यवर उपस्थित होते.

Hello Thane
Page No. 5 Jul 27, 2018
Powered by: erelego.com

सामना

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सामना संवाददाता / कल्याण

बी.के. बिड़ला महाविद्यालय (स्वायत्त) कल्याण द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर २९ अगस्त अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा खेल दिवस का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। बिड़ला महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में हिंदुस्थान सहित अन्य दूसरे दस देशों के ४८ खेल-प्रेमियों और खेल शोधकर्ताओं ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किए। बिड़ला महाविद्यालय इस वर्ष अपनी स्थापना का स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है। इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.बलजीत सिंह सेखोन, जॉइंट सेक्रेटरी, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली और प्रमुख वक्ता के रूप में सुबोध तिवारी- सी. ई. ओ., कैवल्यधाम योग केंद्र उपस्थित थे। संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चंद्र ने कहा कि आज खेल को भी पाठ्यक्रम का प्रमुख अंग बनाने की आवश्यकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस संगोष्ठी के आयोजक डॉ. हरीश दुबे ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन के अन्य सहयोगियों में श्री यज्ञेश्वर बागराव, डॉ. दत्ता क्षीरसागर, श्री किरण रायकर, अनिल तिवारी, भरत बागुल, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. मधु शुक्रे आदि प्राध्यापकों की विशेष भूमिका रही।

Hindi Saamana Edition
Sep 7, 2021 Page No. 6
Powered by : eReleGo.com

यशोभूमि

कल्याण में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

कल्याण, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा 'महात्मा गांधी के सपनों का भारत और आज़ादी के 75 वर्ष' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस आयोजन के उद्घाटनकर्ता के रूप में प्रो. निर्मला एस. मौर्य, कुलपति, वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने बापू के सिद्धांतों को हर काल में प्रासंगिक बताया। हिन्दी के प्रसिद्ध रचनाकार डॉ. श्रीराम परिहार ने अपने बीजवक्तव्य में भारतीय संस्कृति से गांधी दर्शन को जोड़ते हुए दोनों को सर्वकालिक बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और महाविद्यालय के निदेशक एवं मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के पूर्व प्र. उपकुलगुरु डॉ. नरेश चन्द्र ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में गाँधी के विचारों को आज के परिवेश में अनुकरणीय बताया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. जगदीश भावसार, उपकुलपति, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद ने बड़े ही प्रेरक अंदाज़ में गाँधी दर्शन के अनेक पक्षों को व्याख्यायित किया और उन्हें युवा पीढ़ी के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने सभी अतिथियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। गाँधी अध्ययन केंद्र, बिड़ला महाविद्यालय के प्रा. अनिल तिवारी, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण टोतेवाड, प्रा. आकांक्षा ठाकुर और काजल जयसिंघानी आदि के विशेष सहयोग से यह आयोजन संपन्न हुआ। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की मूर्तियों पर माल्यार्पण और बापू के प्रिय भजनों की प्रस्तुति भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण अंग रहे।

Main Edition
Page No.3 October 04, 2021

दि. 01/09/2021

दैनिक हमारी रफ्तार

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सुजीत श्रीवास्तव.

कल्याण. बी.के. बिड़ला महाविद्यालय (स्वायत्त) कल्याण द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया द्य ज्ञात हो कि मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा खेल दिवस का आयोजन हर वर्ष किया जाता है. बिड़ला महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में भारत सहित अन्य दूसरे दस देशों के 48 खेल–प्रेमियों और खेल शोधकर्ताओं ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किये. इस संगोष्ठी में 350 से अधिक लोगों की सहभागिता रही.

बिड़ला महाविद्यालय इस वर्ष अपनी स्थापना का स्वर्ण जयन्ती वर्ष मना रहा है वहीं इस महाविद्यालय के संस्थापक श्री बसंत कुमार बिड़ला का जन्मशताब्दी वर्ष भी मनाया जा रहा है. इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.बलजीत सिंह सेखोन, जॉइंट सेक्रेटरी, असोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, और बीज वक्ता के रूप में श्री सुबोध तिवारी , सी. ई. ओ., कैवल्यधाम योग केंद्र , उपस्थित थे. संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेशचन्द्र ने कहा कि आज खेल को भी पाठ्यक्रम का प्रमुख अंग बनाने की आवश्यकता है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया.

इस आयोजन में विदेशों से अपने विचार प्रस्तुत करने वाले विद्वानों में डॉ. लिम बून हुई, सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया, मलेशिया, डॉ. मैंडी देटाला, मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी, फिलिपिन्स, डॉ. एस. सब्बानाथ, यूनिवर्सिटी ऑफ जाफना, श्रीलंका सहित इंडोनेशिया, बांगलादेश, वियतनाम और जापान आदि देशो के दस लोगों ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किये.

इसके साथ ही भारत के विभिन्न प्रदेशों के खेल विशेषज्ञ जैसे डॉ. नीता बंदोपाध्याय, कल्यानी विश्वविद्यालय, पश्चिमबंगाल, डॉ. नीलिमा देशपांडे, एन आई एस . पटियाला, डॉ. जान्हवी इच्छापुरिया, आरो विश्वविद्यालय, गुजरात, डॉ. किरण सुसान चेरियन, आई. सी. एम्. आर. हैदराबाद , श्री सुब्रता डे, नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, मणिपुर, डॉ. योगेश कुमार, मेरठ (उ.प्र.) सहित प्रो. वासंती काधीरावन ,मुंबई, डॉ. बलवंत सिंह, थाने, डॉ. जयवंत माने, खोपोली, डॉ. मनोहर माने, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, डॉ. भाष्कर साल्वी, प्रिंसिपल, पी. ई.एस. कॉलेज, औरंगाबाद, डॉ. घनश्याम धोकरट, मुंबई, डॉ. किरन मारू, मुंबई आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये.

इस संगोष्ठी के आयोजक डॉ. हरीश दुबे ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन के अन्य सहयोगियों में श्री यज्ञश्वर बागराव, डॉ. दत्ता क्षीरसागर, श्री किरन रायकर, श्री अनिल तिवारी, श्री भरत बागुल, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. मधु शुक्ले आदि प्राध्यापकों की विशेष भूमिका रही.

बिड़ला महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

सुजीत श्रीवास्तव.

कल्याण– बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा 'महात्मा गाँधी के सपनों का भारत और आजादी के 75 वर्ष' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया . इस आयोजन के उद्घाटनकर्ता के रूप में प्रो. निर्मला एस. मौर्य, कुलपति, वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की विशेष उपस्थिति रही द्य उन्होंने बापू के सिद्धांतों को हर काल में प्रासंगिक बताया . हिन्दी के प्रसिद्ध रचनाकार डॉ. श्रीराम परिहार ने अपने बीजवक्तव्य में भारतीय संस्कृति से गाँधी दर्शन को जोड़ते हुए दोनों को सार्वकालिक बताया . महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और महाविद्यालय के निदेशक एवं मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के पूर्व प्र.उपकुलगुरु डॉ. नरेश चन्द्र ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में गाँधी विचारों को आज के परिवेश में अनुकरणीय बताया . समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. जगदीश भावसार, उपकुलपति, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद ने बड़े ही प्रेरक अंदाज में गाँधी दर्शन के अनेक पक्षों को व्याख्यायित किया और उन्हें युवापीढी के लिए उपयोगी बताया.

कुल पाँच सत्रों में विभाजित इस परिसंवाद में भारत सहित अलग–अलग सात देशों के विद्वानों और छात्रों की सहभागिता रही . विदेशी विद्वानों में श्रीलंका से प्रो. उपुल रंजीथ, केलानिया विश्वविद्यालय, डॉ. कुमार दथ गुदारी, महात्मा गाँधी संस्थान, मारीशस, प्रो. मियामोतो ताकाशी एवं प्रो. वेदप्रकाश सिंह, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान, श्रीमती मीना चोपड़ा, कनाडा, अनुराग शर्मा, अमेरिका, श्वेता दीप्ति, नेपाल और सविता मौर्या, तंजानिया जैसे विद्वान प्रमुख थे . भारतीय गाँधीवादी विचारकों में प्रो. भगवान सिंह, प्रो. दयाशंकर त्रिपाठी और प्रो. एम. वेंकटेश्वर ने अलग–अलग सत्रों की अध्यक्षता की . साथ ही प्रो. नरेंद्र

बाकी पेज 4 पर

दैनिक यशोभूमि

बिड़ला महाविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

कल्याण, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय (स्वायत्त) कल्याण द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर २९ अगस्त को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा खेल दिवस का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। बिड़ला महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में भारत सहित अन्य दूसरे दस देशों के 48 खेल-प्रेमियों और खेल शोधकर्ताओं ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किये। इस संगोष्ठी में 350 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। बिड़ला महाविद्यालय इस वर्ष अपनी स्थापना का स्वर्ण जयन्ती वर्ष मना रहा है, वहीं इस महाविद्यालय के संस्थापक बसंत कुमार बिड़ला का जन्मशताब्दी वर्ष भी मनाया जा रहा है। इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बलजीत सिंह सेखोन, ज्वाइंट सेक्रेटरी, असोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली और प्रमुख वक्ता के रूप में सुबोध तिवारी, सीईओ, कैवल्यधाम योग केंद्र, उपस्थित थे। संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेशचन्द्र ने कहा कि आज खेल को भी पाठ्यक्रम का प्रमुख अंग बनाने की आवश्यकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके साथ ही भारत के विभिन्न प्रदेशों के खेल विशेषज्ञ जैसे- डॉ. नीता बंदोपाध्याय, कल्यानी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, डॉ. नीलिमा देशपांडे, एनआईएस पटियाला, प्रो. वासंती काधीरावन, मुंबई, डॉ. बलवंत सिंह, थाने, डॉ. जयवंत माने, खोपोली, डॉ. मनोहर माने, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, डॉ. भाष्कर साल्वी, डॉ. घनश्याम धोकरट, मुंबई, डॉ. किरन मारू, मुंबई आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस संगोष्ठी के आयोजक डॉ. हरीश दुबे ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन के अन्य सहयोगियों में यज्ञश्वर बागराव, डॉ. दत्ता क्षीरसागर, किरन रायकर, अनिल तिवारी, भरत बागुल, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. मधु शुक्रे आदि प्राध्यापकों की विशेष भूमिका रही।

राष्ट्रीय युवा शिविर समारोह संपन्न, समारोह में 15 राज्यों के विद्यार्थियों की उपस्थिति रही

स्वर्णजयंती वर्ष के उपलक्ष्य में बीके बिड़ला महाविद्यालय कल्याण में 'महात्मा गांधी के सपनों का भारत' और आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय युवा शिविर का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में नागालैंड, मणिपुर, अरुणांचल प्रदेश, हिमांचल प्रदेश, असम, मेघालय, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, गोवा, उत्तर प्रदेश, केरल, गुजरात और महाराष्ट्र सहित कुल पंद्रह राज्यों के विद्यार्थियों की विशेष उपस्थिति रही । शिविर का उद्घाटन महात्मा गाँधी के प्रपौत्र श्री तुषार गाँधी और दिल्ली से पधारे प्रसिद्ध विद्वान प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण की उपस्थिति में संपन्न हुआ । अपने उद्घाटन वक्तव्य में प्रो.ऋतुपर्ण ने गाँधी दर्शन के विविध पक्षों पर सारगर्भित टिप्पणी करते हुए जीवन को सफल बनाने की तुलना में सार्थक बनाने पर अधिक जोर दिया। श्री तुषार गाँधी नें स्वतन्त्रता के पचहत्तर वर्ष बाद भी

देश के नागरिकों को अनेक स्तरों पर परतंत्र बताते हुए हर स्तर पर स्वतंत्र होने की बात कही ।

इस शिविर के अन्य वक्ताओं में डॉ. हुबनाथ पाण्डेय, डॉ. जयश्री सिंह, डॉ. ऋषिकेश मिश्र, डॉ. रुकैया जोशी, डॉ. बंशीधर पाण्डेय, डॉ. नमिता निंबालकर, डॉ. सुशील कुमार झा, प्रो. ब्रिजेन्द्र पंवार, डॉ. यशपाल और डॉ. पी. किशू और श्री जयंत दलाल आदि प्रमुख थे । इस शिविर का समापन मुंबई विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रो. राजन वेलूकर की उपस्थिति में संपन्न हुआ` यह आयोजन , डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड़, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. वृंदा निशानदार, श्री अनिल तिवारी, श्री गणेश कुमावत, सुश्री आकांक्षा ठाकुर, अखिलेश आदि के अथक प्रयत्नों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजक श्यामसुंदर पांडेय ने आये हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय युवा शिविर समारोह संपन्न,समारोह में 15 राज्यों के विद्यार्थियों की उपस्थिति रही

सुजीत श्रीवास्तव

कल्याण. स्वर्णजयंती वर्ष के उपलक्ष्य में बीके बिड़ला महाविद्यालय कल्याण में श्महात्मा गांधी के सपनों का भारतश और आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय युवा शिविर का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में नागालैंड, मणिपुर, अरुणांचल प्रदेश, हिमांचल प्रदेश, असम, मेघालय, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, गोवा, उत्तर प्रदेश, केरल, गुजरात और महाराष्ट्र सहित कुल पंद्रह राज्यों के विद्यार्थियों की विशेष उपस्थिति रही. शिविर का उद्घाटन महात्मा गाँधी के प्रपौत्र श्री तुषार गाँधी और दिल्ली से पधारे प्रसिद्ध विद्वान प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण की उपस्थिति में संपन्न हुआ. अपने उद्घाटन वक्तव्य में प्रो.ऋतुपर्ण ने गाँधी दर्शन के विविध पक्षों पर

बाकी पेज 4 पर

बिड़ला महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

सुजीत श्रीवास्तव.

कल्याण. कल्याण पश्चिम स्थित बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में 'समकालीन हिन्दी निबंध रू स्वरूप एवं सन्दर्भ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया द्य यह आयोजन कुल चार सत्रों में संपन्न हुआ द्य इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया द्य बीजवक्ता के रूप में उपस्थित वर्तमान के हिन्दी जगत के श्रेष्ठ निबंधकार डॉ. श्रीराम

परिहार ने निबन्ध विधा के इतिहास को रेखांकित करते हुए कहा कि कुछ लोगों का यह कहना कि 'निबन्ध विधा का जन्म पश्चिम में हुआ, यह पूर्णतः गलत है द्य' निबन्ध तो हमारे भारतीय साहित्य की उपज है जिसके प्रत्यक्ष प्रमाण के रूप में अनेकानेक ग्रन्थों की टीकाएँ लम्बे समय से उपलब्ध है द्य निबन्ध हमारे मनीषियों की लम्बी साधना की परिणति है जिसका फलक विस्तृत है द्य अपने प्रेरक वक्तव्य से डॉ. परिहार नें श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया द्य परिसंवाद के उद्घाटनकर्ता के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रसिद्ध हिन्दी विद्वान प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय उपस्थित थे द्य उन्होंने निबन्ध को गद्य की कसौटी बताते हुए हिन्दी साहित्य के सभी श्रेष्ठ निबंधकारों की रचना प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की द्य डॉ. पाण्डेय का सारगर्भित वक्तव्य इस आयोजन की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि कही जा सकती है द्य उद्घाटन

बाकी पेज 4 पर

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् द्वारा तुलसीदास की जन्मतिथि पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया

संवाददाता–कल्याण. अखिलभारतीय भारतीय साहित्य परिषद्, कल्याण इकाई द्वारा तुलसीदास की जन्मतिथि के अवसर पर साहित्यिक संगोष्ठी एवं कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया, संगोष्ठी का प्रारंभ कोंकण प्रान्त के कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ, कोंकण प्रांत के मंत्री संजय द्विवेदी ने तुलसीदास की रचनाओं में सामान्य जनजीवन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तुलसीदास के साहित्य में जनजागरण महत्त्वपूर्ण पक्ष है, मुख्य वक्ता रामस्वरूप गुप्ता द्वारा तुलसीदास की विनयपत्रिका और हनुमान चालीसा जैसी प्रसिद्ध रचनाओं पर प्रकाश डाला गया,उन्होंने रामचरित मानस की घटनाओं को जोड़ते हुए एक सुन्दर कविता भी प्रस्तुत की, परिषद् की कल्याण इकाई के अध्यक्ष डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने तुलसीदास के जीवन एवं परिवेश पर आधारित अपने वक्तव्य में तुलसीदास को समन्वयवादी कवि बताया, प्राजक्ता कुलकर्णी एवं स्वाती नातू ने मराठी के श्रेष्ठ कवि विंदा करंदीकर के जीवन और साहित्यक अवदान पर भी विचार–विमर्श किया, ज्ञातव्य हो कि 23 अगस्त विंदा करंदीकर का भी जन्मदिन है, संगोष्ठी के दूसरे सत्र में उपस्थित कवियों ने अपनी सुन्दर काव्य प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध

ा कर दिया, अयोध्या और श्रीराम पर आधारित कविता एवं अपनी मधुर आवाज से प्रवीण देशमुख ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया,अन्य कवियों में स्वाती नातू, राजेश व्यास आदि की प्रस्तुति मनमोहक रही, परिषद् की सचिव प्राजक्ता कुलकर्णी ने कार्यक्रम का संचालन किया और संजय द्विवेदी ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया,

न्यू एक्स-रे रिपोर्ट

बिड़ला महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

कल्याण पश्चिम स्थित बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में 'समकालीन हिन्दी निबंध : स्वरूप एवं सन्दर्भ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। यह आयोजन कुल चार सत्रों में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। बीजवक्ता के रूप में उपस्थित वर्तमान के हिन्दी जगत के श्रेष्ठ निबंधकार डॉ. श्रीराम परिहार ने निबन्ध विधा के इतिहास को रेखांकित करते हुए कहा कि कुछ लोगों का यह कहना कि 'निबन्ध विधा का जन्म पश्चिम में हुआ, यह पूर्णतः गलत है।' निबन्ध तो हमारे भारतीय साहित्य की उपज है जिसके प्रत्यक्ष प्रमाण के रूप में अनेकानेक ग्रन्थों की टीकाएँ लम्बे समय से उपलब्ध है। निबन्ध हमारे मनीषियों की लम्बी साधना की परिणति है जिसका फलक विस्तृत है। अपने प्रेरक वक्तव्य से डॉ. परिहार नें श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। परिसंवाद के उद्घाटनकर्ता के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रसिद्ध हिन्दी विद्वान प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय उपस्थित थे। उन्होंने निबन्ध को गद्य की कसौटी बताते हुए हिन्दी साहित्य के सभी श्रेष्ठ निबंधकारों की रचना प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. पाण्डेय का सारगर्भित वक्तव्य इस आयोजन की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि कही जा सकती है। उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष और महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र ने समाज को नई दिशा देने में साहित्य की भूमिका महत्त्वपूर्ण बताई। उनके अनुसार प्रेरक साहित्य की आवश्यकता हर समय समाज को बनी रहती है। हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बालकवि सुरंजे ने सभी अतिथियों का परिचय कराया और परिसंवाद के आयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने इस सत्र का संचालन किया।

द्वितीय सत्र 'समकालीन हिन्दी निबंध : विविध आयाम' की अध्यक्षता डॉ. सतीश पाण्डेय द्वारा की गयी और डॉ. अंजना विजन, डॉ. ऋषिकेश मिश्र, डॉ. प्रशांत देश पाण्डे एवं डॉ. अजीत राय द्वारा विद्वतापूर्ण आलेख प्रस्तुत किये गये। डॉ. मनीष कुमार मिश्र ने इस सत्र का संचालन किया। तीसरा सत्र डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समकालीन प्रमुख हिन्दी निबंधकारङ्क शीर्षक इस सत्र में डॉ. दिनेश प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस सत्र के अन्य विद्वानों में डॉ. मिथिलेश शर्मा, डॉ. दिनेश पाठक और डॉ. गीता यादव आदि विद्वान उपस्थित थे। समानांतर सत्र की अध्यक्षता डॉ. जयशंकर पाण्डेय ने की। डॉ. मीना भंडारी इस सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। समापन सत्र डॉ. नरेश चन्द्र की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में डॉ. हरीश दुबे उपस्थित थे। इस सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. श्रीराम परिहार ने सभी छात्रों को साहित्य सृजन हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन डॉ. महादेव यादव, डॉ. सीताराम म्हस्के आदि प्राध्यापकों के सहयोग से संभव हो सका। इस आयोजन में अखिलेश, सुमिता, रूबी, सुष्मिता, ज्योति, विवेक और प्रशांत, सानिया, शाहिरा, प्रीती और मनीषा आदि विद्यार्थियों की विशेष भूमिका रही।

बिड़ला कॉलेज के प्राचार्य ने शिक्षा जगत से जुड़े विभिन्न विषयों पर की खुलकर चर्चा

टीम वर्क से समाप्त होंगी मुंबई विवि की समस्याएं: डॉ. नरेश चंद्र

एच.पी. तिवारी ✡ मुंबई

शिक्षा जगत पर ही किसी समाज के निर्माण का दायित्व होता है। यदि स्कूली शिक्षा में चरित्र निर्माण और कॉलेज में कौशल विकास और प्रैक्टिकल नॉलेज पर जोर दिया जाए, तो कोई भी ताकत उस देश की तरक्की रोक नहीं सकती। यह सब संभव है सिर्फ बेहतर प्रबंधन और दमदार नेतृत्व से। नेतृत्व भी ऐसा जिसमें बल प्रयोग की जरूरत ही न पड़े। कोई भी व्यक्ति मजबूरी में नहीं बल्कि स्वतः स्फूर्ति होकर काम करे। जो नहीं भी करे, उसे सजा नहीं उसकी गलती का अहसास कराया जाए। यह कहना है बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के प्राचार्य डॉ. नरेश चंद्र का। वे दबंग दुनिया की चौथी वर्षगांठ पर दबंग कार्यालय में अपनी शुभकामनाएं देने पहुंचे थे। प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं कि मुंबई विश्वविद्यालय में हाल ही में जो हुआ, वह दुःखद था। हमारे लिए विद्यार्थियों का हित ही प्राथमिकता होनी चाहिए। आखिर वही देश के भविष्य और कर्णधार हैं। उनको संतुष्ट रखना हमारा मूल उद्देश्य होना चाहिए। मुंबई विश्वविद्यालय के दो बार प्र. उप कुलगुरु रह चुके डॉ. चंद्र ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि मुंबई विश्वविद्यालय बहुत जल्दी इन सबसे बाहर निकलेगा। अपने कॉलेज का उदाहरण देते हुए वे कहते हैं कि हमारा विश्वविद्यालय देश का एक बड़ा विश्वविद्यालय है। छात्रों की संख्या भी बहुत है। इसका प्रबंधन टीम वर्क से ही सफल होता है। सबके सहयोग से हर काम आसानी से निपटाया जा सकता है। हर काम की पूर्व तैयारी होनी चाहिए और सबकी सहमति एवं सबके सहयोग से कार्य होना चाहिए। जिसे जो जिम्मेदारी दी जाए वह उसके महत्व को समझे और पूरी निष्ठा से काम करे, तो किसी समस्या का सवाल ही नहीं उठता है। चाहे हम विश्वविद्यालय के छोटे-बड़े किसी भी पद पर हों, जब सभी अपने-अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करेंगे, तो कोई समस्या रह ही नहीं जाएगी।

दैनिक दबंग मुलाकात

अपनी इच्छाएं बच्चों पर न थोपें

बच्चों के विषय और करियर के चयन पर सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि अभिभावक अपनी इच्छाएं बच्चों पर न थोपें। बच्चों को जिस क्षेत्र में रुचि हो, उन्हें वह करने दें। बच्चों की रुचि को डेवलप करने के साथ-साथ उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। विद्यार्थी जो भी करें निष्ठा और मन लगाकर कर करें। किसी भी काम में सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए उनमे जिद्द होनी चाहिए। 'राइट जॉब फॉर राइट परसन' पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सरकारों को और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को इस विषय पर अधिक कार्य करना चाहिए। डॉ. नरेश चंद्र ने पत्रकारिता में सकारात्मक समाचारों की भूमिका और इसकी जरूरत पर भी सुझाव दिया।

दबंग दुनिया की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दबंग कार्यालय में शुभकामनाएं देने पहुंचे बिड़ला कॉलेज के प्राचार्य डॉ, नरेश चंद, पूर्व शिक्षिका ऊषा नरेश चंद, डॉ. हरीश दुबे (असिस्टेंस प्रोफेसर, फिजिक्स विभाग) और डॉ. श्याम सुंदर पांडेय (असिस्टेंस प्रोफेसर, हिंदी विभाग) का स्वागत करती दबंग टीम।

'कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' का प्राप्त है दर्जा

बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के संबंध में डॉ. नरेश चंद्र ने कहा, लाइब्रेरी किसी भी स्कूल-कॉलेज का आइना होता है। उन्होंने बताया कि हमारे यहां लगभग दस हजार विद्यार्थी हैं। कुल 52 कोर्सेस चलते हैं। उनके पढ़ने के लिए पुस्तकालय की एक पूरी बिल्डिंग ही है, जहां लाखों की संख्या में किताबें उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय प्रातः साढ़े 7 से शाम 7 बजे तक छात्रों के लिए खुला रहता है। हमारे महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 'कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' का दर्जा 2015-20 के लिए मिला हुआ है। साथ ही नैक द्वारा 'ए' ग्रेड सीजीपीए 3.58 प्राप्त है। हाल ही में रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, जंतु विज्ञान और माइक्रो बॉयोलोजी विभाग को डी.बी.टी. द्वारा स्टार स्टेटस का दर्जा प्रदान किया गया है।

हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए तत्पर विभाग

दबंग दुनिया कार्यालय आए हिंदी विभाग से संबद्ध डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने बताया कि हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए बिड़ला महाविद्यालय सदैव तत्पर रहता है। हिन्दी में बी.ए., एम.ए.और पी एच. डी. सेंटर भी है, जिसमें काफी संख्या में छात्र पढ़ रहे हैं और शोध कार्य कर रहे हैं। अहिंदी भाषी विद्यार्थियों के लिए हम हिन्दुस्तानी प्रचार सभा के सहयोग से सरल हिंदी की कक्षाएं भी चलाते हैं। साथ ही साथ पिछले दस वर्षों से लगातार हमारा विभाग राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परिसंवादों तथा शिविरों का आयोजन कर रहा है। इन आयोजनों में मुंबई सहित देश-विदेश के हिन्दी विद्वान पधारते हैं। इन कार्यक्रमों में अन्य महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक और विद्यार्थी विशेष रूप से सहभागी होते हैं। साथ ही हम प्रतिमाह अपने विद्यार्थियों के बीच चर्चा सत्र का आयोजन करते हैं और उस माह में जिस साहित्यकार का जन्मदिन होता है उसके साहित्य पर चर्चा करते हैं। नेट की परीक्षा के लिए भी व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। ये सभी कार्यक्रम किसी न किसी रूप में हमारे विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए ही होते हैं। इन आयोजन के पीछे हमारे प्राचार्य की प्रेरणा और मैनेजमेंट की आर्थिक सहायता की विशेष भूमिका होती है।

'यू कैन डू इट'

शिक्षा जगत की महान हस्ती डॉ. नरेश चंद्र ने कहा कि आज का विद्यार्थी बहुत होशियार और होनहार है। आवश्यकता केवल उनके अंदर आत्मविश्वास जगाने की है। बच्चों को मालूम है कि पढ़ाई में ही सुंदर भविष्य है। आज के इंटरनेट, कंप्यूटर और मोबाइल के युग में बच्चों को पढ़ाई की सारी सामग्री आसानी से मिल जाती है। इसका सकारात्मक उपयोग करके बच्चे अपनी पढ़ाई को बेहतर बना रहे हैं और इससे भी बेहतर कर सकते हैं। डॉ. नरेश चंद्र जी का मानना है कि कोई भी काम कठिन नहीं होता, आप योजना के अनुसार पूरी निष्ठा से उसमें लग जाइए। हमें अपनी सोच सदा सकारात्मक रखनी चाहिए। सफलता स्वयं दौड़ कर आपके पास आएगी। अभिभावकों को भी बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए कि 'यू कैन डू इट'।

देश के सभी बच्चों को एक समान और बेहतर प्राइमरी शिक्षा मिले

विनम्र और सौम्य स्वभाव के धनी डॉ. नरेश चंद्र ने प्राथमिक और उच्च शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सर्वप्रथम हमे प्राथमिक शिक्षा पर जोर देना चाहिए। यदि नीव मजबूत होगी तो ही ऊंचा महल तैयार किया जा सकता है। प्राथमिक शिक्षा में समानता होनी चाहिए। कम से कम शिक्षा की प्राथमिक सुविधाएं सब तक पहुंचनी चाहिए। यहां वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता और अपने संस्कारों पर भी ध्यान देना होगा। जब शिक्षा में समानता होगी, तो समाज की अनेक विषमताएं अपने आप समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि देश के सभी बच्चों को एक समान प्राइमरी शिक्षा मिले, इस पर एक सिस्टम बनना चाहिए। जब तक हर तबके के बच्चों को एक समान और बेहतर शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक देश व समाज का विकास संभव नहीं है। कम से कम शिक्षा में गरीबी-अमीरी नहीं होनी चाहिए।

विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास पर बल

डॉ. चंद्र ने बताया कि हमारे कॉलेज में किसी भी प्रकार का डोनेशन नहीं लिया जाता। एन.सी.सी. और स्पोर्ट्स में भी हमारे विद्यार्थी बहुत अच्छा कर रहे हैं। एन.एस.एस., गांधी अध्ययन केंद्र, आंबेडकर अध्ययन केंद्र, योग एंड फिलोसोफी, फोरेन लैंग्वेज, कॉउंसीलिंग सेंटर, कला मंडल आदि अनेक केंद्र भी हैं, जो हमारे विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास में लगे हुए हैं। यही कारण है कि हर वर्ग के विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन कार्यों में हमारी मैनेजमेंट की विशेष भूमिका है। कुल मिलाकर शिक्षा के क्षेत्र में हमारा महाविद्यालय आज अच्छा कार्य कर रहा है, लेकिन और अच्छा करने की संभावना अभी है ही।

खेलकूद से भी जुड़ कर चल रहे हैं

स्पोर्ट्स एवं एनसीसी से संबद्ध डॉ. हरीश दुबे ने कहा कि हम अपने विद्यार्थियों का चतुर्दिक विकास चाहते हैं। इसलिए खेल और एनसीसी पर भी विशेष बल देते हैं। आज शिक्षा केवल किताबी ज्ञान न होकर खेल कूद से भी जुड़ कर चल रही है। इसके लिए हमने स्पोर्ट्स डायरेक्टर की व्यवस्था की है। हमारे विद्यार्थी योग, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, स्केवेश, क्रिकेट आदि क्षेत्र में अच्छा कर रहे हैं। दो खेलों में इस वर्ष हमारे विद्यार्थियों को शिव छत्रपति अवॉर्ड मिला है और किक बॉक्सिंग में तो हमारी एक छात्रा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गई है। विदेश जाने के लिए हमारी मैनेजमेंट आर्थिक मदद भी करती है। एनसीसी के विद्यार्थी आर.डी. परेड में दिल्ली भी जाते हैं। कुल मिलाकर हमारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के पूर्ण विकास के लिए हर क्षण तत्पर रहता है।

नवभारत | मुंबई, 27 जून 2021

www.enavabharat.com | 4

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं, मार्गदर्शक भी

साहित्य सारथी

विशेष : दो वर्षों तक टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ़ फॉरेन स्टडीज़, टोक्यो, जापान में विजिटिंग प्रोफ़ेसर के रूप मे जापानी छात्रों को हिन्दी अध्यापन का कार्य (अप्रैल 2019 से मार्च 2021 तक) **प्रकाशित पुस्तकें :** विद्यानिवास मिश्र का निबन्ध साहित्य : सन्दर्भ और अभिव्यक्ति, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : संवेदना और शिल्प. **संपादित पुस्तकें :** समकालीन हिन्दी कहानी : सरोकार और विमर्श, हिन्दी आत्मकथाएं सन्दर्भ और प्रकृति, हिन्दी का वैश्विक सन्दर्भ, वर्तमान सृजन सन्दर्भ और शिवशंकर पाण्डेय.
आलेख : विविध पत्र-पत्रिकाओ एवं पुस्तको मे अस्सी से अधिक आलेख प्रकाशित और आकाशवाणी, मुंबई से अनेक रेडियो वार्ता प्रसारित. डॉ. श्यामसुंदर पांडेय हिंदी के प्रबुद्ध साहित्यकार, विद्वान आलोचक और प्रभावी प्राध्यापक हैं. शिक्षा और साहित्य मे आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हैं. आप का कहना है कि आज लगभग सभी विधाओ मे व्यापक मात्रा मे लेखन कार्य हो रहा है. इन्टरनेट ने तो इसे बहुत ही एक अच्छा प्लेटफ़ॉर्म प्रदान किया है. निश्चित ही नई प्रतिभाओं के लिए इससे विशेष प्रोत्साहन मिल रहा है. इस दौड़ मे कुछ रचनाएं अच्छी भी लिखी जा रही हैं, लेकिन यहां आत्मश्लाघा का सर्वाधिक खतरा भी बना रहता है. पुस्तकें भी व्यापक मात्रा मे प्रकाशित हो रही हैं और सहृदय पाठकों द्वारा अच्छी रचनाएं पसंद भी की जा रही हैं. डॉ. पांडेय यह भी मानते हैं कि वर्तमान साहित्य बदलाव के एक नए दौर से गुजर रहा है. हिन्दी साहित्य मे पिछले कुछ दशकों से कुछ विशेष विचारधाराओ और कुछ विशेष समूहों का जो दौर चल रहा था, वह अब समाप्त हो रहा है.

डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय

जन्म : 05 अप्रैल, 1972, देवरिया (उत्तर प्रदेश) शिक्षा: एम.ए., बी.एड., पीएच. डी. (मुंबई विवि) सम्प्रति : हिन्दी विभाग, बी. के.बिड़ला महाविद्यालय, (स्वायत्त), कल्याण (महाराष्ट्र) पूर्व निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित गांधी अध्ययन केंद्र, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, (स्वायत्त), कल्याण (महाराष्ट्र).

इधर साहित्यकार उन धाराओं से निकल कर स्वतंत्र विषयो पर लिखना पसंद कर रहे हैं. अधिकांश साहित्यकार एक साथ कई विधाओं मे अलग-अलग विषयो पर लेखन कार्य कर रहे हैं. यही कारण है कि आज कि रचनाओं मे समाज का हर पक्ष चित्रित हो रहा है. हमारे पौराणिक पात्रों और ग्रंथों को उपजिव्य बनाकर भी तमाम रचनाएं इधर प्रकाश मे आई हैं. आज का हिन्दी साहित्य समाज के सित-असित दोनों पक्षों को चित्रित करते हुए अपने उत्तर दायित्वो का पूर्ण निर्वाह कर रहा है. मेरा मानना है कि साहित्य समाज का केवल दर्पण ही नहीं, उसका मार्गदर्शक भी होता है. सत्ता को चुनौती देने की जितनी सामर्थ्य साहित्य के पास है, उतनी अन्यत्र दुर्लभ है, इसलिए सत्ता की जी हुजूरी से साहित्यकार की दूरी जरूरी है. साहित्य का सीधा सम्बन्ध हमारी वैचारिकी से होता है. सकारात्मक सोच वाला साहित्य किसी भी व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र और सम्पूर्ण मानवजाति के लिए सदैव कल्याणकारी होता है. मै कोई बड़ा लेखक, समीक्षक अथवा विचारक नहीं हूं, लेकिन हिन्दी का एक छोटा प्रहरी होने के नाते सम्माननीय रचनाकारों से एक निवेदन है कि वे अपनी सीमाओं से ऊपर उठकर सकारात्मक सोच वाले साहित्य की सर्जना करें, अपनी रचनाओं के माध्यम से नैतिकता, सद्भावना और मानवता की भावनाओं को बल प्रदान करें, जो हमारी भावी पीढ़ियों को सन्मार्ग की तरफ अग्रसर कर सकें. - डॉ. दयानंद तिवारी

आज का दिन
'भारत रत्न' सम्मान की स्थापना

1954. देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने आज ही के दिन देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न की शुरुआत की थी।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
दैनिक भास्कर

तापमान
मेरा शहर मुंबई 32.0°C 22.2°C | नई दिल्ली 15.0°C | पुणे 31.5°C
सांताक्रूज 31.9°C | नासिक 30.4°C

bhaskarhindi.com मुंबई मंगलवार, 2 जनवरी 2024

बिड़ला महाविद्यालय 'हिंदी आलोचना' विषय पर दो दिवसीय परिसंवाद 8 से

भास्कर संवाददाता | कल्याण. हर साल की तरह इस वर्ष भी कल्याण के बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी मुंबई, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद की कल्याण इकाई द्वारा 8 एवं 9 जनवरी 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया है। परिसंवाद में 'हिंदी आलोचना' विषय के उपर चर्चा की जाएगी। अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण इकाई के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्यामसुंदर पांडेय ने कहा कि आज हिंदी को लेकर कहीं न कहीं असमानता नजर आ रही है। इसलिए हिंदी भाषा को लेकर की जाने वाली आलोचना पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों के कवि एवं हिंदी साहित्य से जुड़े लोग शामिल होंगे।

दैनिक भास्कर Tue, 02 January 2024 https://epaper.bhaskarhin

हिमाचल के चार युवाओं ने लिया राष्ट्रीय युवा शिविर मुंबई में भाग

पांच राज्यों के 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

सोलन। मुंबई के फेमस बीके बिड़ला कॉलेज कल्याण में यूजीसी के गांधी अध्ययन केंद्र में आजादी का अमृत महोत्सव व महात्मा गांधी के सपनों विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय युवा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 15 राज्यों के 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें दिल्ली की जेएनयू, हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा, मुंबई यूनिवर्सिटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गोवा समेत अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के स्कॉलरर्स ने भाग लिया।

इसमें सोलन जिला के 2 और सिरमौर जिला के दो प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस पांच दिवसीय शिविर में एमएस पंवार इंस्टीट्यूट सोलन के निदेशक डॉ. ब्रिजेंद्र सिंह पंवार और सोलन निवासी विशाल और सिरमौर जिला की पच्छाद तहसील के शामपुर गांव निवासी यशपाल कपूर और नारग उपतहसील के सरसू गांव निवासी सचिन शर्मा ने भी भाग लिया। इस शिविर का उद्घाटन महात्मा गांधी के पड़पोते तुषार गांधी ने किया, जबकि समापन मुंबई यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो. राजन बेलूकर ने किया। इस शिविर में डॉ. बीएस पंवार और यशपाल कपूर ने बतौर स्रोत व्यक्ति भाग लिया। डॉ. पंवार ने स्वतंत्रता आंदोलन में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि यशपाल कपूर का विषय मीडिया एंड कम्युनिकेशन रहा। इस दौरान मुंबई में मणी भवन, बीएम रूइया गर्ल्ज कॉलेज, गेटवे ऑफ इंडिया समेत अन्य शिक्षण संस्थानों का भी दौरा किया।

अर्थ प्रकाश

हिमाचल के 4 प्रतिभागियों ने लिया राष्ट्रीय युवा शिविर मुंबई में भाग

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 15 मार्च। मुंबई के फेमस बीके बिड़ला कॉलेज कल्याण में यूजीसी के गांधी अध्ययन केंद्र में आजादी का अमृत महोत्सव व महात्मा गांधी के सपनों विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय युवा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 15 राज्यों के 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें दिल्ली की जेएनयू, हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा, मुंबई यूनिवर्सिटी,केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गोवा समेत अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के स्कॉलरर्स ने भाग लिया।

इसमें सोलन जिला के 2 और सिरमौर जिला के 2 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस पांच दिवसीय शिविर में एमएस पंवार इंस्टीट्यूट सोलन के निदेशक डॉ. ब्रिजेंद्र सिंह पंवार और सोलन निवासी विशाल और सिरमौर जिला की पच्छाद तहसील के शामपुर गांव निवासी यशपाल कपूर और नारग उपतहसील के सरसू गांव निवासी सचिन शर्मा ने भी भाग लिया। इस शिविर का उद्घाटन महात्मा गांधी के पड़पोते तुषार गांधी ने किया, जबकि समापन मुंबई यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो. राजन बेलूकर ने किया। इस शिविर में डॉ. बीएस पंवार और यशपाल कपूर ने बतौर स्रोत व्यक्ति भाग लिया। डॉ. पंवार ने स्वतंत्रता आंदोलन में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि यशपाल कपूर का विषय मीडिया एंड कम्युनिकेशन रहा। इस दौरान मुंबई में मणी भवन, बीएम रूइया गर्ल्ज कॉलेज, गेटवे ऑफ इंडिया समेत अन्य शिक्षण संस्थानों का भी दौरा किया।

बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में पाँच दिवसीय राष्ट्रीय युवा शिविर संपन्न

ठाणे। बी.के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित गाँधी अध्ययन केंद्र द्वारा 'आज़ादी का अमृत महोत्सव और महात्मा गाँधी के सपनों का भारत' विषय पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय युवा शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में नागालैंड, मणिपुर, अरुणांचल प्रदेश, हिमांचल प्रदेश, असम, मेघालय, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, गोवा, उत्तर प्रदेश, केरल, गुजरात और महाराष्ट्र सहित कुल पंद्रह राज्यों के विद्यार्थियों की विशेष उपस्थिति रही। शिविर का उद्घाटन महात्मा गाँधी के प्रपौत्र तुषार गाँधी और दिल्ली से पधारे प्रसिद्ध विद्वान प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अपने उद्घाटन वक्तव्य में प्रो.ऋतुपर्ण ने गाँधी दर्शन के विविध पक्षों पर सारगर्भित टिप्पणी करते हुए जीवन को सफल बनाने की तुलना में सार्थक बनाने पर अधिक जोर दिया। तुषार गाँधी नें स्वतन्त्रता के पचहत्तर वर्ष बाद भी देश के नागरिकों को अनेक स्तरों पर परतंत्र बताते हुए हर स्तर पर स्वतंत्र होने की बात कही। उन्होंने बेरोजगारी और गरीबी को देश का प्रथम दुश्मन बताते

हुए कहा कि बापू के सपनों को पूरा करने के लिए देश को रोजगार युक्त और गरीबी मुक्त बनाना होगा। महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक और मुंबई विश्वविद्यालय के पूर्व प्र.उप कुलगुरु डॉ. नरेश चन्द्र ने शान्ति की स्थापना के लिए बापू के विचारों को आज के परिवेश में सर्वाधिक प्रासंगिक बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और डॉ. अर्चना सिंह द्वारा गांधी अध्ययन केंद्र का परिचय प्रस्तुत किया गया। रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे ने महाविद्यालय के गतिविधियों से आगंतुकों को परिचित कराया।

इस शिविर के अन्य वक्ताओं में डॉ. हूबनाथ पाण्डेय, डॉ. जयसिंह, डॉ. ऋषिकेश मिश्र, डॉ. रुकैया जोशी, डॉ. बंशीधर पाण्डेय, डॉ. नमिता निम्बालकर, डॉ. सुशील कुमार झा, प्रो. ब्रिजेन्द्र पंवार, डॉ. यशपाल और डॉ. पी. किशू और जयंत दलाल आदि प्रमुख थे। इस शिविर का समापन मुम्बई विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रो. राजन वेळूकर की उपस्थिति में संपनन हुआ। यह आयोजन , डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. नारायण तोटेवाड़, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. वृंदा निशानदार, अनिल तिवारी, गणेश कुमावत, आकांक्षा ठाकुर, अखिलेश आदि के अथक प्रयतनें से संपनन हुआ। इस पाँच दिवसीय युवा शिविर का आयोजन बी. के. बिड़ला महाविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती वर्ष और महाविद्यालय के संस्थापक स्व. बसंतकुमार जी बिड़ला के जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर किया गया था। देश के विविध राज्यों की युवा पीढी के मध्य महात्मा गाँधी के विचारों को संप्रेषित करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर के सहभागी एक दिन मणि भवन, मुंबई देखने के लिए भी गए। सुदूर स्थित राज्यों से आये हुए अधिकांश सहभागी समापन के अवसर पर भावुक दिखाई दिए। उन्होंने बापू के सपनों को साकार करने और सुखमय भारत के लिए सच्चाई व इमानदारी से कार्य करने की प्रतिज्ञा ली। कार्यक्रम के आयोजक श्यामसुंदर पांडेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शात्री को दी गई श्रद्धांजलि, कई कार्यक्रम आयोजित

कल्याण के बिड़ला महाविद्यालय की तरफ से निकाली गई शांति यात्रा

■ **निसं, कल्याणः** बी.के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की तरफ से अनुदानित गांधी अध्ययन केंद्र ने गांधी जयंती पर अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन किया। इस दौरान शांति यात्रा निकाली गई। यात्रा की शुरुआत महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चंद्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील, रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, उप प्राचार्य विपिन चंद्र वाडेकर, उप प्राचार्य स्मिता गुप्ता और आईजेक जेरी, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, कोकण प्रांत के कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख और राष्ट्रीय मंत्री डॉ. दिनेश प्रताप सिंह ने बापू की मूर्ति पर माल्यार्पण कर की।

यात्रा में महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस और अन्य संकायों के विद्यार्थियों के साथ-साथ उर्दू नैशनल हाई स्कूल, सेंचुरी विद्यालय, रेल चाइल्ड से संचालित सरस्वती मंदिर पूर्व प्राथमिक विद्यालय आदि ने हिस्सा लिया। यात्रा के दौरान महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की मूर्तियों से सजा शांति रथ और गांधी विचारों के कार्ड लिए विद्यार्थियों की कतार देखी गई।

गांधी के विचारों फैलाना जिम्मेदारी है: जीनल

■ **निसं, भिवंडीः** कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व अध्यक्ष इकबाल सिद्दीकी ने शहर के टेमघर स्थित बेघर निवारा केंद्र में फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। अब्दुल रहमान रजवी, कांग्रेस नेता छगन पाटील, पुणे शहर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष यासीन शेख आदि मौजूद थे। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर जीनल गाला ने कहा कि गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है।

भिवंडी मनपा में गांधी और शास्त्री को दी गई श्रद्धांजलि

■ **निसं, भिवंडीः** भिवंडी मनपा मुख्यालय में महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त दीपक झिंजाड ने उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त नितिन पाटील, राजेंद्र वरलीकर, वाचनालय विभाग प्रमुख नेहाला मोमीन आदि उपस्थित थे।

गांधी जयंती पर युवक कांग्रेस की गांधीगिरी

■ **निसं, मीरा-भाईंदरः** गांधी जयंती पर मीरा-भाईंदर युवक कांग्रेस ने 'गांधीगिरी' का रास्ता अपनाया। बदहाल सड़कों और गड्ढों पर प्रशासन का ध्यान आकर्षण करने के लिए कार्यकर्ताओं ने गड्ढों में रंगोली बनाई। युवक कांग्रेस के अध्यक्ष सिद्धेश राणे ने बताया कि गोल्डन नेस्ट सर्कल, तुंगा हॉस्पिटल, मीरा गांव की सड़कों पर प्रदर्शन किया। इसमें अनवर खान, समिरा अंसारी, सोहम सावंत, यशपाल सुरेका, विजय दरेकर आदि शामिल थे।

आज का भाव
सोना (10 ग्राम) रु. 64, 375.00
चांदी (1 किलो) रु. 71, 400.00
सेंसेक्स 71.657.71
निफ्टी 21.618.70

दैनिक DPS पहला समाचार
देश का सर्वश्रेष्ठ अखबार
एक कदम निष्पक्षता की ओर
संपादक : भास्कर तिवारी
वर्ष : 12 | अंक : 98 | मुंबई गुरुवार 11 जनवरी 2024 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 3

बिड़ला महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

पहला समाचार संवाददाता

कल्याण। बिड़ला महाविद्यालय कल्याण और महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी, मुंबई, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा और अखिल भारतीय साहित्य परिषद् कल्याण के संयुक्त तत्त्वावधान में ह्यहिन्दी आलोचना स्वरुप और व्याप्तिह्न विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का उद्घाटन मुंबई विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रवीन्द्र कुलकर्णी और ज. ना. राजस्थान विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलाधिपति प्रो. बलवंत जानी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी, मुंबई के कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दुबे, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के निदेशक डॉ. सुनील कुलकर्णी, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय के शिक्षा निदशक

डॉ. नरेश चन्द्र, रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी के सदस्य डॉ. दिनेश प्रताप सिंह, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोंकण के कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख आदि गणमान्य उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और डॉ. बालकवि सुरंजे ने सबका परिचय प्रस्तुत किया। कुल छः विभाजित इस परिसंवाद में हिन्दी आलोचना के सभी पक्षों पर विद्वानों द्वारा अपने-अपने विचार प्रकट किये गये। छात्रों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों सहित दो सौ से अधिक साहित्य रसिकों की सहभागिता ने इस आयोजन को विशेष बना दिया। अन्य प्रदेशों के विश्विविद्यालयों से आये विद्वानों में प्रो. संजीव दुबे, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. रामबक्ष जाट, प्रो. अवधेश शुक्ल, प्रो. रामकृपाल, प्रो. बाबू विश्वनाथ और प्रो. विष्णु सर्वदे बड़ोदरा से बलराम मिश्र आदि प्रमुख थे। महाराष्ट्र के प्रमुख विद्वानों में डॉ. विजय कुमार, डॉ. सतीश पाण्डेय, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, डॉ. मिथिलेश शर्मा, डॉ.उषा मिश्र, डॉ.दिनेश पाठक, डॉ.पल्लवी प्रकाश, डॉ. महात्मा पाण्डेय, डॉ. ऋषिकेश मिश्र, डॉ. भगवती प्रसाद उपाध्याय, डॉ. सत्यवती चौबे, डॉ. सचिन गपाट और डॉ. अजित राय तथा डॉ. प्रशांत देशपांडे आदि प्राध्यापकों की विशेष उपस्थित रही। समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सुबोध दवे नें ऐसे कार्यों के लिए हर प्रकार का सहयोग देने का आश्वासन दियो इस परिसंवाद के संयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त कियो यह आयोजन उप प्राचार्य डॉ. महादेव यादव, डॉ. बिपिन वाडेकर, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. प्रांजली म्हसकर, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. सीताराम म्हस्के, डॉ. ग्रीष्म खोब्रागडे, डॉ. मनीषा पाटील आदि प्राध्यापकों और अखिलेश, संतोष रूबी, सुष्मिता, गायत्री, चैताली, कस्तूरी, तृप्ति, कशिश, नम्रता, अंकिता, प्रतीक्षा, विवेक, संस्कृति, कोमल, अंतरा, महक, रूमानिया, फरहत, सुमेरा, समीरा, पराग और शिवकार आदि छात्रों के अथक प्रयासों से संपन्न हुआ।

दैनिक यशोभूमि

बिड़ला महाविद्यालय में संगोष्ठी संपन्न

कल्याण (प्रति.), बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण, और महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी, मुंबई, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा और अखिल भारतीय साहित्य परिषद् केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के निदेशक डॉ. सुनील कुलकर्णी, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय के शिक्षा निदशक डॉ. नरेश चन्द्र, रात्रिकालीन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश गये। अन्य प्रदेशों के विश्विविद्यालयों से आये विद्वानों में प्रो. संजीव दुबे, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. रामबक्ष जाट, प्रो. अवधेश शुक्ल, प्रो. रामकृपाल, प्रो. बाबू विश्वनाथ

कल्याण के संयुक्त तत्त्वावधान में 'हिन्दी आलोचना स्वरूप और व्याप्ति' विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का उद्घाटन मुंबई विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रवीन्द्र कुलकर्णी और ज. ना. राजस्थान विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलाधिपति प्रो. बलवंत जानी की उपस्थिति में संपन्न हुआ ` इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी, मुंबई के कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दुबे, दुबे, महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी के सदस्य डॉ. दिनेश प्रताप सिंह, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोंकण के कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख आदि गणमान्य उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और डॉ. बालकवि सुरंजे ने सबका परिचय प्रस्तुत किया। कुल छह विभाजित इस परिसंवाद में हिन्दी आलोचना के सभी पक्षों पर विद्वानों द्वारा अपने-अपने विचार प्रकट किये। और प्रो. विष्णु सर्वदे आदि प्रमुख थें महाराष्ट्र के प्रमुख विद्वानों में डॉ. विजय कुमार, डॉ. सतीश पाण्डेय, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, डॉ. मिथिलेश शर्मा, डॉ.उषा मिश्र, डॉ. दिनेश पाठक, डॉ.पल्लवी प्रकाश, डॉ. महात्मा पाण्डेय, डॉ. ऋषिकेश मिश्र, डॉ. भगवती प्रसाद उपाध्याय, डॉ. सत्यवती चौबे, डॉ. सचिन गपाट और डॉ. अजित राय तथा डॉ. प्रशांत देशपांडे आदि प्राध्यापकों की विशेष उपस्थित रही।

Yeshobhumi Edition
Jan 12, 2024 Page No. 2
Powered by : eReleGo.com

नवभारत

QUICK NEWS

बिड़ला कॉलेज में 2 दिवसीय संगोष्ठी

कल्याण. बी.के. बिड़ला कॉलेज कल्याण, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, महाराष्ट्र राज्य हिंदी अकादमी मुंबई एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण शाखा द्वारा संयुक्त रूप से सोमवार से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है. बिड़ला कॉलेज में 8 और 9 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक 'हिन्दी आलोचनाः

'हिन्दी आलोचनाः प्रकृति और दायरा' विषय पर संगोष्ठी

प्रकृति और दायरा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है. इसमें देश भर से राष्ट्रीय स्तर के हिंदी विद्वानों की मौजूदगी होगी. सेमिनार का उद्घाटन सोमवार को सुबह 10 बजे होगा.संगोष्ठी का उद्घाटन मुंबई विवि. के कुलपति प्रो.संचालन रविंद्र कुलकर्णी करेंगे. इस अवसर पर प्रो. बलवंत जानी, प्रो. सुनील कुलकर्णी एवं केंद्रीय हिंदी निदेशालय, प्रो. शीतला प्रसाद दुबे, सुबोध दवे डॉ. नरेश चंद्रा, डॉ. अविनाश पाटिल आदि उपस्थित रहेंगे. अखिल भारतीय साहित्य परिषद के कल्याण अध्यक्ष एवं बिड़ला कॉलेज के हिंदी विभाग के इस सेमिनार के आयोजक डॉ. श्याम सुंदर पांडेय हैं. उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी में सभी विद्वान, साहित्य प्रेमी आमंत्रित हैं.

www.dailyjanmat.com E-mail : dailyjanmat@gmail.com
जनतेचे
जनमत ₹२/-
पुरोगामी महाराष्ट्राचे दैनिक
❖ वर्ष-३३वे ❖ ❖ अंक २५७ ❖ ❖ शनिवार दि. १३ जानेवारी २०२४ ❖

बिर्ला महाविद्यालयात हिंदी भाषेवर दोन दिवसीय परिसंवाद

कल्याण : बिर्ला महाविद्यालय कल्याण, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी मुंबई, केंद्रीय हिंदी संस्थान आग्रा आणि अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'हिंदी आलोचना : स्वरुप आणि व्याप्ति' या विषयावर आयोजित दोन दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवादाचे उद्घाटन मुंबई विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. रवींद्र कुलकर्णी आणि ज. ना. राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुरचे कुलाधिपति प्रो. बलवंत जानी यांच्या प्रमुख उपस्थितीत झाले.

यावेळी महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबईचे कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दुबे, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आग्राचे संचालक डॉ. सुनील कुलकर्णी, बी. के. बिर्ला महाविद्यालयचे शिक्षण संचालक डॉ. नरेश चंद्रा, प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमीचे सदस्य डॉ. दिनेश प्रताप सिंह, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोंकणचे कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख आदी मान्यवर उपस्थित होते.

महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील यांनी सर्व मान्यवरांचे स्वागत केले तर डॉ. बालकवि सुरंजे यांनी मान्यवरांचा परिचय दिला. एकूण सहा सत्रातील या परिसंवादात हिंदी भाषेतील सर्व विषयांवर मान्यवरांनी आपली मते व्यक्त केली. विद्यार्थी, संशोधक, प्राध्यापकांसहित दोनशेहून अधिक साहित्य रसिकांनी या परिसंवादात सहभाग घेतला होता.

इतर राज्यातील विद्यापीठातील मान्यवरांमध्ये प्रो. संजीव दुबे, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. रामबक्ष जाट, प्रो. अवधेश शुक्ल, प्रो. रामकृपाल, प्रो. बाबू विश्वनाथ आणि प्रो. विष्णु सर्वदे आदींचा समावेश होता. तर महाराष्ट्रातील मान्यवरांमध्ये डॉ. विजय कुमार, डॉ. सतीश पाण्डेय, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, डॉ. मिथिलेश शर्मा, डॉ. उषा मिश्र, डॉ. दिनेश पाठक, डॉ. पल्ल्वी प्रकाश, डॉ. महात्मा पाण्डेय, डॉ. ऋषिकेश मिश्र, डॉ. भगवती प्रसाद उपाध्याय, डॉ. सत्यवती चौबे, डॉ. सचिन गपाट आणि डॉ. अजित राय, डॉ. प्रशांत देशपांडे आदि प्राध्यापकांची विशेष उपस्थिती होती.

या परिसंवादाच्या समारोप सत्रात मुख्य अतिथि म्हणून बिर्ला महाविद्यालयाचे प्रबंधन समितीचे उपाध्यक्ष सुबोध दवे यांनी अशा प्रकारच्या कार्यासाठी सर्व प्रकारे मदत करण्याचो आश्वासन दिले. या परिसंवादाचे संयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डे यांनी सर्वांचे आभार व्यक्त केले.

या परिसंवादाचे आयोजन उप प्राचार्य डॉ. महादेव यादव, डॉ. बिपिन वाडेकर, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. प्रांजली म्हसकर, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. सीताराम म्हस्के, डॉ. ग्रीष्म खोब्रागडे, डॉ. मनीषा पाटील आदी प्राध्यापक आणि अखिलेश, संतोष रूबी, सुष्मिता, गायत्री, चैताली, कस्तूरी, तृप्ति, कशिश, नम्रता, अंकिता, प्रतीक्षा, विवेक, संस्कृति, कोमल, अंतरा, महक, रूमानिया, फरहत, सुमेरा, समीरा, पराग, शिवकार आदि विद्यार्थ्यांच्या मेहनतीने यशस्वीपणे करण्यात आले.

प्रातःकाल
Marathi Edition | 2024-01-08 | Page- 2
epaper.pratahkal.com

बिर्ला महाविद्यालयात दोन दिवसीय हिंदी विषयावर राष्ट्रीय परिसंवादाचे आयोजन

कल्याण, दि. ७ (वार्ताहर) : बी. के. बिर्ला महाविद्यालय कल्याण, केंद्रीय हिंदी संस्थान आग्रा, महाराष्ट्र राज्य हिंदी अकादमी मुंबई, अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण शाखा यांच्या संयुक्त विद्यमाने सोमवार दि. ८ व ९ जानेवारी रोजी सकाळी १० ते संध्याकाळी ५ या वेळेत बिर्ला महाविद्यालयात 'हिंदी अलोचना: स्वरूप आणि व्याप्ती' या विषयावर राष्ट्रीय परिसंवादाचे आयोजन करण्यात आले आहे.

यामध्ये देशभरातून राष्ट्रीय स्तरावरील हिन्दी विद्वानांची उपस्थिती असणार आहे. परिसंवादाचे उद्घाटन सोमवारी सकाळी १० वा. मुंबई विद्यापीठ कुलगुरू प्रो. रविंद्र कुलकर्णी यांच्याहस्ते होणार आहे. यावेळी प्रमुख उपस्थिती प्रो. बलवंत जानी, कुलपती जनार्दन राय नागर, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपूर, प्रो. सुनील कुलकर्णी निदेशक केंद्रीय हिन्दी संस्थान,आग्रा व केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, प्रो. शितला प्रसाद दुबे कार्याध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी मुंबई, सुबोध दवे उपाध्यक्ष प्रबंधन समिती बी.के. बिर्ला महाविद्यालय, डॉ. नरेश चंद्र, शिक्षा निदेशक बी.के.बिर्ला महाविद्यालय, डॉ. अविनाश पाटील प्राचार्य बी.के. बिर्ला महाविद्यालय यांची असणार आहे.

अखिल भारतीय साहित्य परिषदेचे कल्याण अध्यक्ष व बिर्ला महाविद्यालयातील हिन्दी विभागाचे डॉ. शामसुंदर पाण्डेय हे या परिसंवादाचे संयोजक आहेत. सर्व विद्वान,साहित्याची आवड असणाऱ्या रसिक श्रोत्यांना या परिसंवादाचे निमंत्रण आहे.

नवराष्ट्र

बिर्ला कॉलेजमध्ये राष्ट्रीय परिसंवाद

हिंदी विषयांवर विद्वानांचे होणार विचारमंथन

कल्याण, (वा.) बी.के. बिर्ला महाविद्यालय कल्याण, केंद्रीय हिंदी संस्थान आग्रा, महाराष्ट्र राज्य हिंदी अकादमी मुंबई, अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण शाखा यांच्या संयुक्त विद्यमाने ८ व ९ जानेवारीला रोजी सकाळी १० ते संध्याकाळी ५ या वेळेत बिर्ला महाविद्यालयात 'हिन्दी अलोचनाः स्वरूप आणि व्याप्ती' या विषयावर राष्ट्रीय परिसंवादाचे आयोजन करण्यात आले आहे.

यामध्ये देशभरातून राष्ट्रीय स्तरावरील हिन्दी विद्वानांची उपस्थिती असणार आहे. परिसंवादाचे उद्घाटन सोमवारी सकाळी १० वाजता संपन्न होणार आहे. यावेळी प्रमुख उपस्थिती प्रो. बलवंत जानी, कुलपती जनार्दन राय नागर, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपूर, प्रो. सुनील कुलकर्णी निदेशक केंद्रीय हिन्दी संस्थान,आग्रा व केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, प्रो. शितला प्रसाद दुबे कार्याध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी मुंबई, सुबोध दवे उपाध्यक्ष प्रबंधन समिती बी.के. बिर्ला महाविद्यालय, डॉ. नरेश चंद्र, शिक्षा निदेशक बी.के.बिर्ला महाविद्यालय, यांची महाविद्यालय यांची असणार आहे.

Thane Navi Mumbai Palghar Edition
08 January 2024 Page No. 2
epaper.navarashtra.com

दैनिक सागर
कोकणचे मुखपत्र
ठाणे, पालघर
RNI Regi. No. MAHMAR/2016/68109

बिर्ला महाविद्यालयात हिंदी विषयावर राष्ट्रीय परिसंवादाचे आयोजन

▶ **कल्याण :** बी.के. बिर्ला महाविद्यालय कल्याण, केंद्रीय हिंदी संस्थान आग्रा, महाराष्ट्र राज्य हिंदी अकादमी मुंबई, अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण शाखा यांच्या संयुक्त विद्यमाने ९ जानेवारी रोजी सकाळी १० ते संध्याकाळी ५ या वेळेत बिर्ला महाविद्यालयात 'हिन्दी अलोचना: स्वरूप आणि व्याप्ती' या विषयावर राष्ट्रीय परिसंवादाचे आयोजन करण्यात आले आहे.

यामध्ये देशभरातून राष्ट्रीय स्तरावरील हिन्दी विद्वानांची उपस्थिती असणार आहे. परिसंवादाचे उद्घाटन सोमवारी सकाळी १० वा. मुंबई विद्यापीठ कुलगुरू प्रो. रविंद्र कुलकर्णी यांच्याहस्ते होणार आहे. यावेळी प्रमुख उपस्थिती प्रो. बलवंत जानी, कुलपती जनार्दन राय नागर, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपूर, प्रो. सुनील कुलकर्णी निदेशक केंद्रीय हिन्दी संस्थान,आग्रा व केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, प्रो. शितला प्रसाद दुबे कार्याध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी मुंबई, सुबोध दवे उपाध्यक्ष प्रबंधन समिती बी.के. बिर्ला महाविद्यालय, डॉ. नरेश चंद्र, शिक्षा निदेशक बी.के.बिर्ला महाविद्यालय, डॉ. अविनाश पाटील प्राचार्य बी.के. बिर्ला महाविद्यालय यांची असणार आहे. अखिल भारतीय साहित्य परिषदेचे कल्याण अध्यक्ष व बिर्ला महाविद्यालयातील हिन्दी विभागाचे डॉ. शामसुंदर पाण्डेय हे या परिसंवादाचे संयोजक आहेत. सर्व विद्वान, साहित्याची आवड असणाऱ्या रसिक श्रोत्यांना या परिसंवादाचे निमंत्रण आहे.

आयुषमान शिबि

▶ कोळसेवाडी (कल्याण) : कल्य नगरच्या वतीने मोफत आयुष मान शिबिरा विभागप्रमुख संजय गुजर यांच्या प्रयत्नाने आ ह्या सवलतीचा लाभ घेतला. उपजिल्हा प्र क्षेत्रप्रमुख नारायण पाटील, शहर प्रमुख शरद

ठाणे महानगरपा

सकाळ

बिर्ला महाविद्यालयात हिंदी विषयावर राष्ट्रीय परिसंवाद

कल्याण, ता. ८ (वार्ताहर) : बी. के. बिर्ला महाविद्यालय कल्याण, केंद्रीय हिंदी संस्थान आग्रा, महाराष्ट्र राज्य हिंदी अकादमी मुंबई, अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण शाखा यांच्या संयुक्त विद्यमाने दोन दिवसीय हिन्दी अलोचना: स्वरूप आणि व्याप्ती या विषयावर राष्ट्रीय परिसंवाद सुरू आहे. बिर्ला महाविद्यालयात ८ व ९ जानेवारी रोजी सकाळी १० ते संध्याकाळी ५ या वेळेत हा परिसंवाद आहे.

महाराष्ट्राच्या ग्रामीण व शहरी भागातील लोकप्रिय दैनिक
दैनिक ठाणे जीवनदीप वार्ता
jeevandeepvartanews2020@gmail.com
मंगळवार ❖ ०७ जानेवारी २०२५ ❖ वर्ष ५ ❖ अंक - ११६ ❖ पाने - ८

बिर्ला महाविद्यालयात राष्ट्रीय परिसंवादाचे आयोजन

दै.ठाणे जीवनदीप वार्ता/कल्याण(प्रतिनिधी) – बी.के. बिर्ला महाविद्यालय कल्याण, केंद्रीय हिंदी संस्थान आग्रा, महाराष्ट्र राज्य हिंदी अकादमी मुंबई, अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण शाखा यांच्या संयुक्त विद्यमाने सोमवार दि. ८ व ९ जानेवारी रोजी सकाळी १० ते संध्याकाळी ५ या वेळेत बिर्ला महाविद्यालयात 'हिन्दी अलोचना: स्वरूप आणि व्याप्ती' या विषयावर राष्ट्रीय परिसंवादाचे आयोजन करण्यात आले आहे.

यामध्ये देशभरातून राष्ट्रीय स्तरावरील हिन्दी विद्वानांची उपस्थिती असणार आहे. परिसंवादाचे उद्घाटन सोमवारी सकाळी १० वा. मुंबई विद्यापीठ कुलगुरू प्रो. रविंद्र कुलकर्णी यांच्याहस्ते होणार आहे. यावेळी प्रमुख उपस्थिती प्रो. बलवंत जानी, कुलपती जनार्दन राय नागर, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपूर, प्रो. सुनील कुलकर्णी निदेशक केंद्रीय हिन्दी संस्थान,आग्रा व केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, प्रो. शितला प्रसाद दुबे कार्याध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी मुंबई, सुबोध दवे उपाध्यक्ष प्रबंधन समिती बी.के. बिर्ला महाविद्यालय, डॉ. नरेश चंद्र, शिक्षा निदेशक बी.के. बिर्ला महाविद्यालय, डॉ. अविनाश पाटील प्राचार्य बी.के. बिर्ला महाविद्यालय यांची असणार आहे.

अखिल भारतीय साहित्य परिषदेचे कल्याण अध्यक्ष व बिर्ला महाविद्यालयातील हिन्दी विभागाचे डॉ. शामसुंदर पाण्डेय हे या परिसंवादाचे संयोजक आहेत. सर्व विद्वान,साहित्याची आवड असणाऱ्या रसिक श्रोत्यांना या परिसंवादाचे निमंत्रण आहे.

ठाणे जिल्ह्याचे लोकप्रिय वृत्तपत्र

ठाणे, मुंबई, नवी मुंबई,
पालघर, रायगड येथून प्रकाशित

ठाणे वार्ता

बातमी तीच, जी सत्य असेल!

१५ वे ■ अंक क्र. ९३ ■ शनिवार, दि. १३ जानेवारी २०२४ ■ पृष्ठे : ४ ■ किंमत : २ रुपया ■ ई-मेल : thanevarta2010@gmai

बिर्ला महाविद्यालयात हिंदी भाषेवर दोन दिवसीय परिसंवाद संपन्न

कल्याण, दि. १२ : बिर्ला महाविद्यालय कल्याण, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी मुंबई, केंद्रीय हिंदी संस्थान आग्रा आणि अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'हिंदी आलोचना : स्वरुप आणि व्याप्ति' या विषयावर आयोजित दोन दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवादाचे उद्घाटन मुंबई विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. रवींद्र कुलकर्णी आणि ज. ना. राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुरचे कुलाधिपति प्रो. बलवंत जानी यांच्या प्रमुख उपस्थितीत झाले.

यावेळी महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबईचे कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दुबे, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आग्राचे संचालक डॉ. सुनील कुलकर्णी, बी. के. बिर्ला महाविद्यालयचे शिक्षण संचालक डॉ. नरेश चंद्रा, प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमीचे सदस्य डॉ. दिनेश प्रताप सिंह, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोंकणचे कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख आदी मान्यवर उपस्थित होते.

महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील यांनी सर्व मान्यवरांचे स्वागत केले तर डॉ. बालकवि सुरंजे यांनी मान्यवरांचा परिचय दिला. एकूण सहा सत्रातील या परिसंवादात हिंदी भाषेतील सर्व विषयांवर मान्यवरांनी आपली मते व्यक्त केली. विद्यार्थी, संशोधक, प्राध्यापकांसहित दोनशेहून अधिक साहित्य रसिकांनी या परिसंवादात सहभाग घेतला होता.

इतर राज्यातील विद्यापीठातील मान्यवरांमध्ये प्रो. संजीव दुबे, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. रामबक्ष जाट, प्रो. अवधेश शुक्ल, प्रो. रामकृपाल, प्रो. बाबु विश्वनाथ आणि प्रो. विष्णु सर्वदे आदींचा समावेश होता. तर महाराष्ट्रातील मान्यवरांमध्ये डॉ. विजय कुमार, डॉ. सतीश पाण्डेय, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, डॉ. मिथिलेश शर्मा, डॉ. उषा मिश्र, डॉ. दिनेश पाठक, डॉ. पल्लवी प्रकाश, डॉ. महात्मा पाण्डेय, डॉ. ऋषिकेश मिश्र, डॉ. भगवती प्रसाद उपाध्याय, डॉ. सत्यवती चौबे, डॉ. सचिन गपाट आणि डॉ. अजित राय, डॉ. प्रशांत देशपांडे आदी प्राध्यापकांची विशेष उपस्थिती होती.

या परिसंवादाच्या समारोप सत्रात मुख्य अतिथी म्हणून बिर्ला महाविद्यालयाचे प्रबंधन समितीचे उपाध्यक्ष सुबोध दवे यांनी अशाप्रकारच्या कार्यासाठी सर्व प्रकारे मदत करण्याचे आश्वासन दिले. या परिसंवादाचे संयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डे यांनी सर्वांचे आभार व्यक्त केले. या परिसंवादाचे आयोजन उप प्राचार्य डॉ. महादेव यादव, डॉ. बिपिन वाडेकर, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. प्रांजली म्हसकर, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. सीताराम म्हस्के, डॉ. ग्रीष्म खोब्रागडे, डॉ. मनीषा पाटील आदी प्राध्यापक आणि अखिलेश, संतोष रूबी, सुष्मिता, गायत्री, चैताली, कस्तूरी, तृप्ति, कशिश, नम्रता, अंकिता, प्रतीक्षा, विवेक, संस्कृति, कोमल, अंतरा, महक, रूमानिया, फरहत, सुमेरा, समीरा, पराग, शिवकार आदि विद्यार्थ्यांच्या मेहनतीने यशस्वीपणे करण्यात आले.

ठाणेवैभव

बिर्ला महाविद्यालयात हिंदी भाषेवर परिसंवाद संपन्न

कल्याण : बिर्ला महाविद्यालय कल्याण, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी मुंबई, केंद्रीय हिंदी संस्थान आग्रा आणि अखिल भारतीय साहित्य परिषद कल्याण यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'हिंदी आलोचना : स्वरुप आणि व्याप्ति' या विषयावर आयोजित दोन दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवादाचे उद्घाटन मुंबई विद्यापीठाचे कुलगुरु प्रा. रवींद्र कुलकर्णी आणि ज. ना. राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुरचे कुलाधिपति प्रो. बलवंत जानी यांच्या प्रमुख उपस्थितीत झाले.

यावेळी महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबईचे कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दुबे, केंद्रीय हिन्दी संस्थान आग्राचे संचालक डॉ. सुनील कुलकर्णी, बी. के. बिर्ला महाविद्यालयाचे शिक्षण संचालक डॉ. नरेश चंद्रा, प्राचार्य डॉ. हरीश दुबे, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमीचे सदस्य डॉ. दिनेश प्रताप सिंह, अखिल भारतीय साहित्य परिषद कोंकणचे कार्याध्यक्ष प्रवीण देशमुख आदी मान्यवर उपस्थित होते.

महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील यांनी सर्व मान्यवरांचे स्वागत केले तर डॉ. बालकवि सुरंजे यांनी मान्यवरांचा परिचय दिला. एकूण सहा सत्रातील या परिसंवादात हिंदी भाषेतील सर्व विषयांवर मान्यवरांनी आपली मते व्यक्त केली. विद्यार्थी, संशोधक, प्राध्यापकांसहित दोनशेहून अधिक साहित्य रसिकांनी या परिसंवादात सहभाग घेतला होता.

या परिसंवादाच्या समारोप सत्रात मुख्य अतिथी म्हणून बिर्ला महाविद्यालयाचे प्रबंधन समितीचे उपाध्यक्ष सुबोध दवे यांनी अशा प्रकारच्या कार्यासाठी सर्व प्रकारे मदत करण्याचे आश्वासन दिले. या परिसंवादाचे संयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डे यांनी सर्वांचे आभार व्यक्त केले. या परिसंवादाचे आयोजन उप प्राचार्य डॉ. महादेव यादव, डॉ. बिपिन वाडेकर, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. दिनेश वानुले, डॉ. प्रांजली म्हसकर, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. सीताराम म्हस्के, डॉ. ग्रीष्म खोब्रागडे, डॉ. मनीषा पाटील आदी प्राध्यापक आणि अखिलेश, संतोष रुबी, सुष्मिता, गायत्री, चैताली, कस्तूरी, तृप्ति, कशिश आदी विद्यार्थ्यांच्या मेहनतीने यशस्वीपणे करण्यात आले.

MAI Edition
20240113 Page No. 5
http://erelego.com/

दैनिक यशोभूमि

बिड़ला महाविद्यालय में बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम

कल्याण (प्रतिनिधि), कल्याण पश्चिम स्थिर बी. के. बिड़ला महाविद्यालय द्वारा डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर वृहत आयोजन किया गया। महाविद्यालय के आंबेडकर स्टडी सेंटर और सोशल साइंस एसोसिएशन द्वारा बाबा साहब की 67 वें महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम का प्रारंभ महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, मुख्य अतिथि मुंबई उच्च न्यायालय के एड. शंकर रामटेके एवं प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। उप प्राचार्य डॉ. बिपिन चन्द्र वाडेकर, डॉ. मनीन्दर कौर, प्रा. इस्मिता गुप्ता और डॉ. महादेव यादव

आदि गणमान्यों की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने बाबा साहब के जीवन और उनके कृतित्व को प्रेरक एवं समाज के लिए मार्गदर्शक बताया। बाबा साहब के शिक्षा संबंधी, नारी कल्याण संबंधी और उनके अन्य विचारों को महत्वपूर्ण बताते हुए अनुकरणीय बताया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों की व्यापक उपस्थिति रही। प्रा. प्रीती सावले, डॉ. मेघा देवले, डॉ. ग्रीष्म खोब्रागड़े, डॉ. सीताराम म्हस्के आदि प्राध्यापकों सहित नेहा सिंह, सुप्रिया ठाकुर, हेमांगी मडके और सहेली कोर आदि विद्यार्थियों के विशेष सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

Yeshobhumi Edition
Dec 8, 2023 Page No. 2
Powered by : eReleGo.com

नवभारत

आंबेडकर के विचार हैं अनुकरणीय

कल्याण. बी.के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा डॉ. बाबा साहब आम्बेडकर की पुण्यतिथि पर वृहत्त आयोजन किया गया. महाविद्यालय के आंबेडकर स्टडी सेंटर और सोशल सायंस एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, मुख्य अतिथि मुंबई उच्च न्यायालय के एड. श्री शंकर रामटेके एवं प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटिल द्वारा बाबासाहब की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ हुआ. उप प्राचार्य डॉ. बिपिन चन्द्र वाडेकर, डॉ. मनिंदर कौर, प्रा. इस्मिता गुप्ता और डॉ. महादेव यादव आदि की विशेष उपस्थिति रही.

ठाणेवैभव

जाणीव फाऊंडेशन वृद्धाश्रमाला मदत

कल्याण : बी.के.बिर्ला महाविद्यालय कल्याणमधील एनएसएस युनिट आणि प्राध्यापकांनी कल्याण पूर्वेतील आंबेगाव येथील जाणीव फाउंडेशन या वृद्धाश्रमात दिवाळी मिठाई आणि आवश्यक अन्नधान्य वाटप केले.

या वैचारिक उपक्रमाच्या यशाचे श्रेय डॉ. नरेश चंद्र (शिक्षण संचालक), प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील आणि समर्पित प्राध्यापक सदस्यांच्या प्रोत्साहनाला जाते. 2019 पासून दिवाळी फराळ वितरण कार्यक्रम बी. के. बिर्ला कॉलेजच्या प्राध्यापक सदस्यांच्या पूर्ण समर्थनाने आणि एनएसएस स्वयंसेवकांच्या सक्रिय सहभागाने भरभराटीला आला आहे. कल्याण शहराचे कार्यक्रम अधिकारी आणि एनएसएस क्षेत्र समन्वयक डॉ. संदेश जायभाये यांनी या प्रभावी उपक्रमाचे नेतृत्व केले. एनएसएस स्वयंसेवकांनी उपक्रमाच्या अंमलबजावणीत महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावली.

MAI Edition
20231118 Page No. 2
http://erelego.com/

RANE PRAKASHAN PRIVATE LIMITED
शब्दांना सत्याची धार
प्रहार

वेचक

बिर्ला महाविद्यालयाच्या वतीने जाणीव फाऊंडेशन वृद्धाश्रमाला मदत

कल्याण : बी.के. बिर्ला महाविद्यालय, कल्याणमधील एनएसएस युनिट आणि प्राध्यापकांनी, कल्याण पूर्वेतील आंबेगाव येथील जाणीव फाऊंडेशन या वृद्धाश्रमात दिवाळीची मिठाई आणि आवश्यक अन्नधान्याचे वाटप केले. या उपक्रमाच्या यशाचे श्रेय डॉ. नरेश चंद्र (शिक्षण संचालक), प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील आणि समर्पित प्राध्यापक सदस्यांच्या प्रोत्साहनाला जाते. २०१९ पासून दिवाळी फराळ वितरण कार्यक्रम बी.के. बिर्ला कॉलेजच्या प्राध्यापक सदस्यांच्या पूर्ण समर्थनाने आणि एनएसएस स्वयंसेवकांच्या सक्रिय सहभागाने उत्साहात संपन्न होत आला आहे. कल्याण शहराचे कार्यक्रम अधिकारी आणि एनएसएस क्षेत्र समन्वयक डॉ. संदेश जायभाये यांनी या उपक्रमाचे नेतृत्व केले. एनएसएस स्वयंसेवकांनी उपक्रमाच्या अंमलबजावणीत महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावली.

तुमच्या भिंतीचा कान
महाराष्ट्र दिनमान ठाणे

जाणीव फाउंडेशन वृद्धाश्रमाला मदत

कल्याण। बी. के. बिर्ला महाविद्यालय, कल्याणमधील एनएसएस युनिट आणि प्राध्यापकांनी कल्याण पूर्वेतील आंबेगाव येथील जाणीव फाउंडेशन या वृद्धाश्रमात दिवाळी मिठाई आणि आवश्यक अन्नधान्य वाटप केले. या उपक्रमाच्या यशाचे श्रय डॉ. नरेश चंद्र (शिक्षण संचालक), प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील आणि समर्पित प्राध्यापक सदस्यांच्या प्रोत्साहनाला जाते. २०१९ पासून दिवाळी फराळ वितरण कार्यक्रम बी. के. बिर्ला कॉलेजच्या प्राध्यापक सदस्यांच्या पूर्ण समर्थनाने आणि एनएसएस स्वयंसेवकांच्या सक्रिय सहभागाने पार पडत आहे.

संपूर्ण ठाणे जिल्ह्यासह मुंबई, नवी मुंबई, पालघर, रायगडचे
एकमेव दैनिक
वर्ष २४ वे
महाराष्ट्र जनमुद्रा
संपादक : डॉ. दीपक महिपत दळवी
ठाणे ■ वर्ष : २४ ■ अंक : ७३ ■ दैनिक ■ शनिवार, दि. १८ नोव्हेंबर २०२३ ■ पाने : ४ ■ किंमत : २ रुपये MAHMAR/2000/3093

बिर्ला महाविद्यालयाच्या वतीने जाणीव फाऊंडेशन वृद्धाश्रमाला मदत

कल्याण, दि. १७ : बी. के. बिर्ला महाविद्यालय, कल्याणमधील एनएसएस युनिट आणि प्राध्यापकांनी, कल्याण पूर्वेतील आंबेगाव येथील जाणीव फाउंडेशन या वृद्धाश्रमात दिवाळीनिमित्त मिठाई आणि आवश्यक अन्नधान्य वाटप केले. या वैचारिक उपक्रमाच्या यशाचे श्रेय डॉ. नरेश चंद्र (शिक्षण संचालक), प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील आणि समर्पित प्राध्यापक सदस्यांच्या प्रोत्साहनाला जाते. २०१९ पासून, दिवाळी फराळ वितरण कार्यक्रम बीके बिर्ला कॉलेजच्या प्राध्यापक सदस्यांच्या पूर्ण समर्थनाने आणि एनएसएस स्वयंसेवकांच्या सक्रिय सहभागाने भरभराटीला आला आहे.

कल्याण शहराचे कार्यक्रम अधिकारी आणि एनएसएस क्षेत्र समन्वयक डॉ. संदेश जायभाये यांनी या प्रभावी उपक्रमाचे नेतृत्व केले. एनएसएस स्वयंसेवकांनी उपक्रमाच्या अंमलबजावणीत महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावली.

RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नासिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 32 ■ अंक 191 ■ मुंबई, रविवार 28 जनवरी 2024 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

बिड़ला महाविद्यालय में मनाया गणतंत्र दिवस

कल्याण। बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर भव्य आयोजन किया गया। प्रातः महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील एवं शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र द्वारा झंडारोहण के बाद एन सी. सी. छात्रों, अधिकारियों और हजारों की संख्या में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा झंडे को सलामी दी गई। महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र ने परेड का निरिक्षण किया। इस अवसर पर श्यामसुंदर पांडेय एनसीसी अधिकारी डॉ. हरीश दुबे, डॉ. सुवर्णा जाधव, डॉ. कांतीलाल नागरे, डॉ. भरत बागुल, प्रा. प्रकाश संसारे और प्रा. गणेश कुमावत सहित उप प्राचार्य डॉ. विपिन चन्द्र वाडेकर, डॉ. महादेव यादव, डॉ. मनिंदर कौर और इस्मिता गुप्ता की विशेष उपस्थिति रही।